राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,08 जून-2021 वर्ष-4, अंक -135पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

दिल्ली में 'जहां वोट-वहीं वैक्सीन' स्कीम आज से, सीएम केजरीवाल का ऐलान

घर-घर जाएंगे कर्मचारी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र की ओर से लगातार वैक्सीन मिलती रही तो 45 साल से अधिक उम्र वाले लोगों को एक महीने में वैक्सीन लगा दी जाएगी।

देश की राजधानी दिल्ली में वैक्सीनेशन की रफ्तार को बढ़ाया जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र की ओर से लगातार वैक्सीन मिलती रही तो 45 साल से अधिक उम्र वाले लोगों को एक महीने में वैक्सीन लगा दी जाएगी। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 45 साल से अधिक उम्र वाले सेंटर्स पर काफी कम लोग आ रहे हैं। अब दिल्ली सरकार लोगों के घर-घर जाकर वैक्सीनेशन की अपील करेंगे। अब लोगों को पोलिंग सेंटर पर वैक्सीनेशन की सुविधा दी जाएगी, ताकि लोगों को टीका लगवाने में कोई दिक्कत ना हो।

4 हफ्ते में 45 प्लस वालों को टीका लगाने का अभियान

अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, शुरू में 70 वार्ड के अंदर शुरू में ये शुरू किया जा रहा है। हर हफ्ते 70 वार्ड में ये मिशन चलाया जाएगा। ऐसे करके 4 हफ्ते में इस अभियान को शुरू करने की कोशिश है। बूथ लेवल ऑफिसर अब लोगों के घर जाएंगे, 45 प्लस वालों के बारे में पूछेंगे और टीका लगवाएंगे। अगर किसी को वैक्सीन नहीं लगी है, तो ऑफिसर उन्हें स्लॉट देकर आएंगे।

अरविंद केजरीवाल के मुताबिक, 57 लाख लोग 45 साल से अधिक उम्र वाले हैं, अभी 27 लाख को पहली डोज़ लगी है, बाकी 30 लाख को अगले एक महीने में लगाने का प्लान है। जो लोग टीका लगवाने आना चाहेंगे, उन्हें ई-रिक्शा की सुविधा दी जाएगी।

> **दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि अगर केंद्र की ओर से लगातार वैक्सीन मिलती रही तो 45 साल से अधिक उम्र वाले लोगों को एक महीने में वैक्सीन लगा दी जाएगी।**

दो दिन के लिए मिलेंगे स्लॉट

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने समझाया कि अगले दो दिन पोलिंग बूथ ऑफिसर अपने-अपने बूथ के घरों में जाएंगे, आने वाले दो दिनों के स्लॉट देकर आएंगे और फिर सभी को टीका लगेगा। हर हफ्ते यही प्रक्रिया चलेगी। चार हफ्ते में सभी लोगों को कवर किया जाएगा, ताकि जिनको टीका लगवाना है उन्हें कोई दिक्कत ना आए।

आपको बता दें कि दिल्ली में अभी कुल 57 लाख वैक्सीन की डोज़ ही लग पाई हैं। वैक्सीन की कमी होने की वजह से 18 से 44 साल वाले लोगों के टीकाकरण पर ब्रेक लगा है। अब दिल्ली सरकार 45 प्लस वाले लोगों पर फोकस कर रही है। दिल्ली में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो गई है, ऐसे में टीकाकरण पर जोर दिया जा रहा है।

कोरोना पर मंत्रियों के समूह की बैठक, स्वास्थ्य मंत्री बोले-10 राज्यों में 83 फीसद मामले

स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कोरोना वायरस की स्थिति पर मंत्रियों के समूह की बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि देश में फिलहाल कोरोना के 14 लाख से अधिक सक्रिय मामले हैं। दैनिक पॉजिटिविटी रेट 6.34 फीसद है।

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने देश में कोविड-19 की स्थिति पर मंत्रियों के समूह (त्रश्वरू) की 28वीं बैठक को संबोधित किया। बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अश्विनि चौबे भी मौजूद रहे। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि देश में कोरोना वायरस के 14,01,609 सक्रिय मामले बचे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 12 मई से प्रतिदिन आने वाले कोरोना के मामले लगातार कम हो रहे हैं। 14 मई से ठीक होने वाले मामले नए मामलों से अधिक हैं। 83 फीसद मामले 10 राज्यों में हैं बाकी 17 फीसद 26 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हैं। 7 राज्यों में प्रतिदिन 1,000 से कम मामले आ रहे हैं। भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 1,00,636 नए मामले सामने आए हैं, जो 61 दिनों में सबसे कम है। नए मामले आने के बाद कुल पॉजिटिव मामलों की संख्या 2.89 करोड़ हो गई है। इस दौरान 2,427 नई मौतों के बाद कुल मौतों की संख्या बढ़कर 3,49,186 हो गई है। वहीं, देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस की 13,90,916 वैक्सीन लगाई गई है, जिसके बाद कुल वैक्सीनेशन का आंकड़ा 23,27,86,482 पहुंच गया है।

राकेश टिकैत के जरिए बंगाल से बाहर प्रभाव जमाने की तैयारी में ममता?

बुधवार को करेंगी मुलाकात

नई दिल्ली। बंगाल चुनाव में बीजेपी के खिलाफ प्रचार करने के बाद भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत अब 9 जून को कोलकाता में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करने वाले हैं। ममता से मुलाकात के दौरान टिकैत केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ मौजूदा किसान आंदोलन को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, राकेश टिकैत 9 जून को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलेंगे। वह उन्हें चुनाव में मिली बड़ी जीत पर बधाई देंगे। इसके अलावा दोनों के बीच किसान आंदोलन पर भी चर्चा होगी। बता दें कि चुनाव से पहले भी टिकैत ने बंगाल दौरा किया था और तृणमूल कांग्रेस के लिए प्रचार किया था। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कृषि कानूनों के खिलाफ काफी मुखर रही हैं और उन्होंने किसान आंदोलन को भी अपना समर्थन दिया था। कई टीएमसी सांसद भी दिल्ली की सीमा पर पहुंचे थे, जहां किसान पिछले साल नवंबर से धरने पर

बैठे हैं। कोरोना महामारी का प्रसार कम होने के बीच किसानों ने भी अपने आंदोलन को एक बार फिर तेज करने की योजना बनाई है। केंद्र के लाए तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसान पिछले 6 महीने से भी ज्यादा समय से दिल्ली की सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। केंद्र के साथ कई दौर की वार्ताओं के बावजूद अभी तक कोई समाधान नहीं निकल सका है। किसान पिछले साल 26 नवंबर से कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं।

65 बीजेपी विधायकों की मांग- CM के खिलाफ बोलने वाले MLA पर हो एक्शन

बेंगलुरु। कर्नाटक में चल रहा 'सियासी नाटक' अभी खत्म होता नहीं दिखाई दे रहा है। कई दिनों से वहां सीएम बीएस येदियुरप्पा को हटाने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हालांकि, येदियुरप्पा खुद इस बात को नकार चुके हैं। अब बीजेपी के 65 विधायकों ने एक लेटर पर साइन कर उन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग है जिन्होंने सीएम के खिलाफ बातें कहीं। बीजेपी विधायक और सीएम के सचिव रेणुकाचार्य ने ये अभियान चलाया है। इस लेटर पर 65 विधायकों ने दस्तखत कर दिए हैं और दावा किया है कि सीएम येदियुरप्पा अच्छा काम कर रहे हैं। बीजेपी विधायकों का साइन किया ये लेटर बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण सिंह को भेजा जाएगा। बताया जा रहा है कि 10 दिन बाद अरुण सिंह बेंगलुरु दौरे पर आएंगे। बीजेपी विधायक रेणुकाचार्य ने कहा, सीएम के सपोर्ट में साइन किया हुआ लेटर

मेरे पास ही है। मैं इसे छिपा नहीं रहा हूं। प्रदेश अध्यक्ष के लिए लेटर कन्नड़ भाषा में है, जबकि पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और दूसरे राष्ट्रीय पदाधिकारियों के लिए लेटर अंग्रेजी में लिखा गया है। दरअसल, पार्टी में सीएम येदियुरप्पा का विरोध तेज हो गया था। ऐसी अटकलें शुरू हो गई थीं कि पार्टी येदियुरप्पा को सीएम पद से हटा सकती है। लेकिन अब येदियुरप्पा खुद बोल चुके हैं कि वो सीएम पद पर बने रहेंगे। उन्होंने रविवार को कहा था, ÷मैं सीएम पद पर बना रहूंगा। हाई कमांड ने मुझ पर भरोसा जताया है। जिस दिन हाई कमांड मुझसे मेरा इस्तीफा देने को कहेगा, मैं उस दिन उन्हें इस्तीफा सौंप दूंगा। तब तक मैं ही सीएम रहूंगा। मैं इस बात से सहमत नहीं हूं कि राज्य में मेरा कोई विकल्प नहीं है। मैं तभी तक सीएम हूं जब तक पार्टी को मुझ पर भरोसा है।

कैसे शुरू हुआ था सीएम को लेकर विवाद?

बीएस येदियुरप्पा को लेकर कर्नाटक में अक्सर विवाद होते रहे हैं। मई 2018 में जब येदियुरप्पा को सीएम बनाया जा रहा था तब भी उनकी बढ़ती उम्र को लेकर उनका विरोध हुआ था। हालांकि, पार्टी ने इस बात को नजरअंदाज करते हुए येदियुरप्पा को ही सीएम बनाया।

अभी जो विवाद शुरू हुआ है वो पिछले साल फंड एलोकेशन को लेकर हुई एक मीटिंग से शुरू हुआ है। पिछले साल जब विधानसभाओं में फंड एलोकेशन को लेकर एक इंटरनल मीटिंग हुई थी तो कुछ बीजेपी विधायकों ने सीएम येदियुरप्पा के खिलाफ जाकर बातें कही थीं। इसके बाद कैबिनेट विस्तार को लेकर भी सीएम के खिलाफ बगावत हुई।

हाल ही में बीजेपी विधायक बसनगौड़ा यत्नाल ने पंचामशाली लिंगायतों को आरक्षण के मुद्दे को लेकर सीएम को घेरा था। कई मंत्री और विधायक कोविड मैनेजमेंट को लेकर भी येदियुरप्पा के खिलाफ बोल चुके हैं।

पूर्वी भारत के कई राज्यों में 10 जून तक हो सकती है भारी बारिश

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (ने दक्षिण-पश्चिम मानसून के बंगाल की खाड़ी में आगे बढ़ने के मद्देनजर पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र और पूर्वी भारत के कई राज्यों में 10 जून तक भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। जबकि अगले तीन दिनों के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय और मणिपुर जैसे राज्यों में व्यापक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने रविवार को कहा कि मानसून देश के कई हिस्सों को कवर करते हुए मध्य अरब सागर में भी आगे बढ़ गया है जिसमें महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के अधिक हिस्से शामिल हैं। आईएमडी केअनुसार, दक्षिण-पश्चिमी हवाओं के मजबूत होने और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पड़ोस में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण अगले तीन दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के इन राज्यों में भारी वर्षा की संभावना है।

आईएमडी के अनुसार, अगले तीन दिनों में इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना है।

-7 जून यानी सोमवार को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश हो सकती है।

-8 जून यानी मंगलवार को आंध्र प्रदेश, ओडिशा में बारिश हो सकती है।

-9 जून यानी बुधवार को असम, मेघालय, ओडिशा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश हो सकती है।

-10 जून यानी गुरुवार को गंगीय पश्चिम बंगाल में बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि जून के तीसरे हफ्ते के आखिर में उत्तर प्रदेश में भी मॉनसून आ सकता है। जहां वेस्टर्न यूपी में सामान्य बारिश (92-108) की संभावना है।

IMA ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, कहा-

गलतफहमी फैलाने वाले को मिले सख्त सजा

नई दिल्ली। भारतीय चिकित्सा संघ ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लिखित तौर पर हस्तक्षेप की मांग की है। IMA ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि उनकी याचिकाओं का समाधान करने के साथ ही मेडिकल पेशेवरों के लिए सौहाद्रपूर्ण वातावरण सुनिश्चित करें ताकि वे बिना किसी डर के काम कर सकें। IMA ने अपने पत्र में असम की घटना का जिक्र किया है जिसमें डॉक्टरों के खिलाफ शोषण का मामला है। इसमें अपील की गई है कि महामारी कोविड-19 से बचाव के लिए चलाई जा रही वैक्सीनेशन ड्राइव को लेकर जो गलतफहमियां फैला रहे हैं उनके खिलाफ महामारी अधिनियम 1897 के

तहत सरकार सख्त कार्रवाई करे।

IMA ने महामारी के मद्देनजर ऑक्सीजन व कोरोना वैक्सीनेशन के लिए प्रधानमंत्री द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की। साथ ही संघ ने कहा कि सरकार के साथ महामारी से बचाव व इलाज में पहले दिन से साथ खड़े डॉक्टरों व चिकित्सा के खिलाफ कुछ लोगों द्वारा आपत्तिजनक बयान दिया जा रहा है। इससे मॉडर्न चिकित्सा के वैज्ञानिक प्रोटोकॉल आधारित सबूतों व वैक्सीनेशन को लेकर गलतफहमियां और दुष्प्रचार फैलाए जा रहे हैं जिसका लोगों पर गलत असर होगा।

प्रधानमंत्री को भेजे गए अपने आग्रह में IMA ने कहा, अभी कोविड-19 महामारी की शुरुआत के पहले दिन से में पूरा मेडिकल समुदाय युद्ध स्तर पर डटा हुआ है और इसने लाखों लोगों की जान बचाई, घातक कोरोना वायरस के गंभीर संक्रमण से निजात दिलाया है। इस क्रम में सैंकड़ों डॉक्टरों को हमने खो दिया। इस पत्र के शुरुआत में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए 1928 में IMA की शुरुआत का जिक्र किया गया है। भारतीय चिकित्सा संघ ने बताया है कि कोरोना की दूसरी लहर में पूरे देश में 513 डॉक्टरों की मृत्यु हुई है।

इस पत्र के शुरुआत में प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए 1928 में IMA की शुरुआत का जिक्र किया गया है।इसके अनुसार, संघ की शुरुआत डॉक्टर के एस रे, डॉक्टर नील रतन सरकार, डॉक्टर बी सी रॉय, डॉक्टर एम ए अंसारी, कर्नल भोला नाथ, मेजर एमजी नायडू, डॉक्टर बीएन व्यास, डॉक्टर डी सिल्वा, डॉक्टर एनए घोष, डॉक्टर डीए चक्रवर्ती, डॉक्टर विश्वनाथन और कैप्टन बीवी मुखर्जी के साथ हुई जिन्होंने देश के स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

कोरोना के इलाज के लिए ये दवाएं जरूरी नहीं

हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया गैरजरूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से कोरोना संक्रमण के इलाज के लिए जारी गाइडलाइंस में बड़े बदलाव किए गए हैं। अब नई गाइडलाइंस के तहत द्व1द्गह्म्द्वद्गष्ह्लद्बठ्ठ, हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन और बुखार रोधी फैविपिराविर के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। बड़ी संख्या में डॉक्टरों और मेडिकल रिसर्चर्स ने कहा था कि इन दवाओं के कोरोना मरीजों को लाभ पहुंचाने के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। इसके बाद सरकार की ओर से यह फैसला लिया गया है। हेल्थ मिनिस्ट्री के तहत आने वाले डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज ने 9 पेज की नई गाइडलाइंस में ivermectin और फैविपिराविर को शामिल नहीं किया है। पिछले दिनों कोरोना की दूसरी लहर के पीक के दौरान इन दवाओं को जमकर इस्तेमाल किया गया था। यहां तक कि इन दवाओं की कालाबाजारी के जरिए मार्केट में कमी के हालात पैदा हो गए थे।

कोरोना के लक्षण नहीं तो बंद कर दें ये दवाएं

27 मई को जारी किए गए संशोधित दिशा-निर्देशों में उन सभी दवाओं को प्रभावी ढंग से हटा दिया गया, जिन्हें डॉक्टर बिना

लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले कोविड-19 रोगियों के लिए भी लिख रहे थे। इसमें हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन, आइवरमेक्टिन, डॉक्सीसाइक्लिन, जिंक, मल्टीविटामिन आदि शामिल हैं। इसमें डॉक्टरों को कहा गया है कि वे जरूरी न होने के मरीज को सीटी स्कैन कराने की राय भी न दें। बिना लक्षण वाले कोरोना मामलों के लिए इस गाइडलाइन में कहा गया है कि इन्हें किसी दवा की आवश्यकता नहीं है। जबकि कोरोना के अलावा पहले से अन्य रोगों से ग्रस्त मरीजों के लिए दवाएं जारी रखी जानी चाहिए। गाइडलाइन में बॉडी हाइड्रेशन के साथ स्वस्थ संतुलित आहार पर जोर दिया गया है।

खुद करें बुखार और ऑक्सीजन लेवल की निगरानी

हल्के मामलों में बुखार, सांस फूलने, ऑक्सीजन लेवल या किसी भी लक्षण पर खुद निगरानी रखने की सलाह दी गई है। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि लोग कोरोना के लक्षण दिखने पर एंटी-पायरेटिक और एंटी-ट्यूसिव ले सकते हैं, और खांसी के लिए 5 दिनों तक दिन में दो बार 800 एमसीजी की खुराक पर बुडेसोनाइड ले सकते हैं। इस सब के अलावा किसी और दवा की आवश्यकता नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एंटीबॉडी पर शोध

रोगों के इलाज का एक तरीका यह हो सकता है कि शरीर का बीमारियों से लड़ने का जो प्राकृतिक तरीका है, उसे दोहराया जाए या उस प्रक्रिया को और मजबूत किया जाए। शरीर का रोग प्रतिरोधक तंत्र रोगाणुओं से लड़ने के लिए एंटीबॉडी बनाता है, जो उस रोग के बैक्टीरिया या वायरस को नष्ट या प्रभावहीन कर देती हैं। टीके इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। वे रोग पैदा करने वाले जीवाणु के कमजोर रूप को या उससे मिलती-जुलती जैविक संरचना को शरीर में प्रविष्ट कर देते हैं, शरीर का रोग प्रतिरोधक तंत्र उसे पहचानकर एंटीबॉडी बना लेता है, जो रोग होने से रोक देती हैं। एक अन्य तरीका, जो कम कारगर रहा, रोग होने पर शरीर में एंटीबॉडी डालना है। जब से कोरोना महामारी शुरू हुई है, वैज्ञानिक एंटीबॉडी पर आधारित इलाज खोजने में जुटे हुए हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण हमारे यहां हाल तक आजमाई गई प्लाज्मा थेरेपी है, जिसमें कोविड के ठीक हो चुके मरीज से प्लाज्मा लेकर कोविड-मरीज को चढ़ाया जाता है। अभी-अभी उबरे मरीज के रक्त में कोविड वायरस विरोधी एंटीबॉडी बड़ी संख्या में होती हैं। प्लाज्मा थेरेपी इसी उम्मीद में दी जाती थी कि ये एंटीबॉडी कोविड-मरीज के शरीर में वायरस से लड़ने में मददगार होंगी। इसके अलावा भी कई एंटीबॉडी आधारित इलाज दुनिया में आजमाए जा रहे हैं। इन इलाजों के कारगर और लोकप्रिय न होने की एक वजह तो यह है कि एंटीबॉडी खून में चढ़ाई जाती हैं, जबकि कोरोना वायरस मुख्यत- फेफड़ों पर हमला करता है। इसकी वजह से फेफड़ों तक पहुंचने वाली एंटीबॉडी बहुत कम हो जाती हैं। दूसरे, एंटीबॉडी वायरस के कुछ रूपों पर ही आक्रमण करती हैं। इससे वायरस के नए रूप बनने और फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं वजहों से प्लाज्मा थेरेपी को रोक दिया गया। अब वैज्ञानिक ऐसी एंटीबॉडी बनाने की कोशिश में हैं, जिनमें ये दोनों कमियां न हों, यानी वे सीधे फेफड़ों में पहुंच सकें और वायरस के तमाम रूपों के खिलाफ कारगर हों। अमेरिका की टेक्सास यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा नेजल स्प्रे बनाया है, जो चूहों में कोरोना वायरस को नियंत्रित करने में कामयाब हुआ है। अब इस स्प्रे के मनुष्यों पर प्रयोग की तैयारी हो रही है। यदि यह सफल रहा, तो हमें ऐसी दवा मिल सकती है, जिसे नाक में स्प्रे करने से कोविड का इलाज सरल हो सकता है। नाक में स्प्रे करने की वजह से दवा सीधे हमारे श्वसन-तंत्र और फेफड़ों में जाएगी और वहां कोरोना वायरस का मुकाबला करेगी। इसके लिए वैज्ञानिकों ने तमाम कोरोना विरोधी एंटीबॉडी में से आईजीजी नामक एंटीबॉडी को सबसे ज्यादा मुफीद पाया। ये एंटीबॉडी कोरोना-मरीज के शरीर में काफी बाद में विकसित होती हैं। वैज्ञानिकों ने इन एंटीबॉडी के हिस्सों को आईजीएम नामक एंटीबॉडी से जोड़ दिया, जो कोरोना संक्रमण की स्थिति में शुरू में तेजी से बनती हैं। इस तरह, जो नई आईजीएम एंटीबॉडी बनीं, वे कोरोना के बीस से भी ज्यादा रूपों के विरुद्ध कारगर थीं, यानी इससे नए रूप विकसित होने का खतरा भी कम है। अब देखना यह होगा कि मनुष्यों में यह इलाज कितना कारगर और सुरक्षित है। यह भी देखना होगा कि ये एंटीबॉडी मानव शरीर में कितनी देर टिकती हैं। अच्छी बात यह है कि इन्हें नेजल स्प्रे की तरह दवा दुकानों में रखा जा सकता है। अगर यह तरीका कारगर सिद्ध हुआ, तो दूसरी बीमारियों के इलाज के लिए भी एक रास्ता खुल जाएगा।

महामारी की चुनौतियों का जीवटता से मुकाबला

सुरेश सेठ

बात कोरोना महामारी की कालरात्रियों और अंधदिवसों को झेलने की है। एक-दो नहीं, पूरे पन्द्रह महीनों से विश्व और उसके सर्वाधिक भीड़ भरी आबादी वाले भारत में कोरोना के रहस्यमय वायरस से उत्पन्न इस अबूझ मृत्यु झंझावात का यह त्रासद दौर चल रहा है। सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन की बात अभी हम नहीं करते। वुहान की प्रयोगशालाओं से उत्पन्न हुआ यह वायरस, इसको आरोपित तो बहुत ने किया। चाहे विश्व सेहत संगठन ने इसे नकार दिया, लेकिन अमेरिका का खोजी विभाग और अन्य जांच-पड़ताल के सूत्र चीन को बरी करने के लिए तैयार नहीं। उधर जब दुनिया में इंग्लैंड, अमेरिका, रूस और भारत ने प्रतिरोधी टीकों का विकास कर लिया तो दुनिया भर में टीकाकरण अभियान शुरू हुआ। तब भी चीन को लेकर वही रहस्यमय चुप्पी छायी रही कि महामारी का प्रस्फुटन भी यहीं से और चीनियों ने अपना टीका ईजाद भी कर लिया। खैर, बिना किसी राजनीतिक हड़बोंग के हम इतना तो कह सकते हैं कि जब कोविड की लहर अपने उफान पर आयी तो त्रासदियों का करुण क्रन्दन भारत ही नहीं, पूरे विश्व से सुनायी दिया है। लेकिन क्या कारण कि चीन ने चुप्पी धारण किये रखी। टीका भी उसने अपना बना लिया, लेकिन उसे लेकर वह किसी अंतर्राष्ट्रीय बाजारीकरण में उलझता नजर नहीं आया। हां, उसकी सोची-समझी हठवादिता और शत्रुओं को छकाने की रणनीति में बड़ी से बड़ी मानवीय त्रासदियों के समय में भी कोई अन्तर नहीं आया। महामारी की दूसरी लहर का तांडव झेलता मानव समाज चाहे चीन को खलनायक कहता रहा, लेकिन इसके बावजूद वायरस ग्रस्त देशों में इससे बचाव के टीकाकरण अभियान अथवा प्राणरक्षक दवाओं, टीकों और आक्सीजन, वेंटिलेटर जैसे चिकित्सा उपकरण जुटाने में भागदौड़ साफ नजर आयी। फिर भी सामान्य जिंदगी, शैक्षणिक माहौल, मनोरंजन, कलात्मक अथवा पर्यटन से जीवन विस्तार लौटता नजर नहीं आया। पिछले बरस कोरोना वायरस की पहली लहर का प्रहार भारत पर हुआ। उसने देश की अर्थव्यवस्था के बखिये उधेड़ कर रख दिये। इसका सामना देश भर में पूर्णबंदी और आंशिक पूर्णबंदी से करने की चेष्टा की गयी। लगभग छह महीनों की आर्थिक और सामाजिक पाबंदियों का नतीजा यह निकला कि देश आर्थिक प्रगति के स्थान पर रिकार्ड आर्थिक अवनति का शिकार हो गया। कहां तो दस प्रतिशत आर्थिक विकास दर को प्राप्त करके स्वत- स्फूर्त हो जाने का लक्ष्य था और कहां इस वर्ष आलम यह रहा कि देश में विकास दर शून्य से नीचे गिरकर -7.7 प्रतिशत तक चली गयी और सकल घरेलू उत्पादन 22 प्रतिशत तक घट गया। पिछले बरस के अक्तूबर मास तक कोरोना का दुष्प्रभाव कम हो गया था लेकिन महानगरों से उखड़ा हुआ श्रम बल उसी तीव्र अंदाज से अपने गांव-घरों से वापस नहीं लौटा। पीछे रही गिनती ने बताया कि इस बहुरूपिये कोरोना का क्या भरोसा। धूर्त वायरस है। रूप बदल-बदल कर नयी लहर के रूप में लौटता है। अभी 'सब अच्छा मान' शहरों की ओर लौटें, और फिर कोरोना लहर का नया प्रहार, आर्थिक नाकाबन्दी लौटा लाये। पिछले साल के आखिरी दिनों में कोरोना प्रकोप का दबाव निम्नतम और देश की आर्थिक गतिविधियां फिर अपनी लय पकड़ना चाहती थीं। आंकड़ा शास्त्रियों को भारतीयों के जीवट और उनकी जिजीविषा पर भरोसा था। उन्होंने अपनी उजली भविष्यवाणियां देनी शुरू कीं कि अर्थ स्थिति सामान्य होगी, कोरोना प्रताड़ित अब जुझारू हो परिश्रम करेंगे, आर्थिक विकास अपनी अवनति को पूरा करते हुए बारह प्रतिशत विकास दर छू लेगा। लेकिन सपनों की इस प्रगति यात्रा में फिर व्यवधान आ गया। सामान्य माहौल बनाने और कोरोना से सुरक्षा के लिए देश भर में टीकाकरण अभियान शुरू कर दिया गया था लेकिन उस पर इस साल के फरवरी मास में कोरोना के नये म्यूटेंट वेरिएंट ने दूसरी लहर बनकर हमला कर दिया। यह लहर पिछले वर्ष की लहर से अधिक भयावह थी। संक्रमण की गिनती इतनी बेहिसाब, कि अस्पतालों में बेड नहीं, दम घुटने से बचाने के लिए प्राण वायु के ऑक्सीजन सिलेंडर नहीं, गंभीर होते रोगियों के लिए वेंटिलेटर नहीं, तो उन्हें चलाने वाले कहां से आते? मरने वालों की तादाद इतनी बढ़ी कि दाह कर्म के लिए कतारें लग गयीं। कोरोना का विकराल रूप इस बार शहरों तक ही नहीं सिमटा, गांवों में चला आया। विशेषज्ञ बताते हैं कि इस दूसरी लहर का दबाव अब कम हो रहा है। तो यह अलविदा नहीं है। इस बार गांववासियों को लपेटा है तो आशंका है कि तीसरी लहर अगर अक्तूबर तक फिर चली आई तो बच्चों को लपेटेगी। वैसे इन दिनों में कोरोना के लौट जाने के आंकड़े नजर आ रहे हैं। इन असामान्य दिनों के महंगाई के आकाश छूते आंकड़े, पेट्रोल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि और बेकारी और कोरोना प्रभावित अतिरिक्त बेकारी के रिकार्ड तोड़ आकड़े हैं। उधर टीकाकरण की अनिवार्यता का विश्वास हुआ तो अब टीके गायब हैं। फिर भी समय साक्षी है कि इस देश का आधार बन उखड़े लोगों ने भी अपना जीवट नहीं छोड़ा। जिजीविषा को अपने दैनिक व्यवहार में शामिल कर लिया। देश की रीढ़ किसानों को देख लीजिये। इस बार कोरोना का हस्तक्षेप गांवों के दैनिक जीवन में हो गया। छह महीनों से इन किसानों का मोर्चा दिल्ली की सरहद पर लगा था। अभी उन्होंने काला दिवस मनाया है, परन्तु फिर भी सामाजिक अन्तर रख कर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करते हुए वे लोग अपने आक्रोश को जारी रखे हैं। उनके इस प्रदर्शन के आवेश ने उनके अपनी खेतीबाड़ी के प्रति प्रतिबद्धता को कम नहीं किया। इस फसल सत्र के नतीजे बता रहे हैं कि ऐसे घोर कोरोना काल में उन्होंने अपनी फसलों की बिजाई में कोई कोताही नहीं की है। नये कानूनों के अंतर्गत भी फसलें बेची हैं तो कुल प्राप्त धनराशि पिछले सत्र की कमाई से अधिक कर ली है। उधर, पढ़ाई ऑफलाइन से ऑनलाइन हुई, सेमिनार से वेबिनार होने लगे, और इन्टरनेट पुस्तकों की जगह लेता नजर आया। इस देश के श्रमशील और जुझारू लोग बार-बार संक्रमण के प्रहारों के बावजूद भगोड़े नहीं हुए। वह आत्मसम्मान के साथ जिन्दा रहने के लिए जीवन का हर परिवर्तन और विकल्प अपनाने के लिए तैयार हैं। अब कोरोना के प्रहार की शिद्दत के कम होने का स्वागत है। उम्मीद है कि जीवन जीने के लिए भी लोग तैयार हैं लेकिन सही रास्ता तो देश के मार्गदर्शकों को ही दिखाना होगा। देखना यह है कि देश के मसीहा कब नयी रोशनी की मशालें लेकर मजबूती से आगे आते हैं?

लेखक साहित्यकार एवं पत्रकार हैं।

'आज के ट्वीट

मुफ्त

21 जून, सोमवार से देश के हर राज्य में, 18 वर्ष से ऊपर की उम्र के सभी नागरिकों के लिए, भारत सरकार राज्यों को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराएगी। वैक्सीन निर्माताओं से कुल वैक्सीन उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा भारत सरकार खुद ही खरीदकर राज्य सरकारों को मुफ्त देगी: - पीएम नरेंद्र मोदी

ज्ञान गंगा

स्वार्थ

जग्गी वासुदेव

दुनिया में ऐसा कुछ भी नहीं है जिसे निःस्वार्थ कहा जा सके। हर चीज अपने खुद के मतलब के लिए ही होती है, हर कोई स्वार्थी ही है। आपके विचार और आपकी भावनाएं मूल ढंग से आपके अंदर से हैं, तो वे स्वार्थी ही हैं। सवाल सिर्फ यह है कि अपने स्वार्थ के बारे में आप कंजूस हैं, या उदार? क्या आपका स्वार्थीपन सिर्फ उनके लिए है जो किसी तरह से आपके शरीर के साथ जुड़े हैं- आपके पति या पत्नी हैं, या बच्चे, या माता-पिता या भाई-बहन, या आपके परिवार से हैं? या फिर, आपका स्वार्थीपन ज्यादा बड़ा है-जो सारी मानवता को, हरेक प्राणी को भी शामिल कर लेता है? स्वार्थी होने का सवाल नहीं है, यह तो कंजूस होने की बात है। आप जानते हैं, इसका मतलब है कम-जूस या कम-रस होना! आप में पर्याप्त रस नहीं है जिससे आप अपने चारों ओर के जीवन के लिए कुछ महसूस कर सकें। आप अपने जीवन में बस थोड़े से लोगों के लिए ही कुछ महसूस करते हैं। जब बात शारीरिक या आर्थिक पहलुओं की आती है, तो ठीक है कि आप कुछ ही लोगों की संभाल कर सकते हैं पर जब बात विचारों और भावनाओं की हो तो कहीं कोई कमी नहीं है। आप ब्रह्मांड के हर जीव के हमदर्द हो सकते हैं, उससे सहानुभूति रख सकते हैं। समस्या है कि आप में पर्याप्त रस, पर्याप्त जीवन नहीं है। आप में काफी ज्यादा मात्रा में जीवन हो तो आप हर प्राणी के लिए यह महसूस कर सकते हैं, हर एक कीड़ा, पौधा, पक्षी, जानवर-हर चीज के लिए। अपने जीवन को समृद्ध करने का यही रास्ता है। जीवन समय की बस छोटी-सी मात्रा है। जरूरी नहीं है कि कोई और आप में यह भाव जगाए, प्रेरित करे। अभी तो आपकी समस्या है कि आपका आनंद, प्रेम और आपकी दूसरी भावनाएं-आपकी हर वो चीज जो सुंदर है- किसी और के धक्का देने से शुरू होती है। कोई आपको धकेले तब आप आगे बढ़ते हैं, तब ये भाव जागते हैं। पर ऐसा तरीका भी है कि आप खुद ही इसे शुरू करें, सेल्फ-स्टार्ट पर हो जाएं। सेल्फ-स्टार्ट पर हो जाते हैं, तब सुबह उठते ही प्रेमपूर्ण, आनंदपूर्ण और उल्लसित हो सकते हैं। नहीं तो किसी को आपके लिए कुछ करना पड़ता है, तब जाकर आप अपने अंदर प्रचुरता का थोड़ा बहुत अनुभव कर पाते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। रक्तचाप या हृदय रोगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। टकराव की स्थिति आपके हित में न होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ होगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। वाणी की सौम्यता आवश्यक है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। धन हानि की संभावना है।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। विरोधियों का पराभव होगा।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। जारी प्रयास सार्थक होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा।

मकर जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पारिवारिक जनों से तनाव मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

आरटी-पीसीआर जांच अत्यधिक विशिष्ट

(एड्रियन एस्टरमैन, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ ऑस्ट्रेलिया)

एडीलेड (ऑस्ट्रेलिया)। मेलबर्न में कोरोना वायरस संक्रमण के मौजूदा प्रकोप से पूर्व में जोड़े गए कोविड-19 के दो मामलों को अब गलत तरीके से पॉजिटिव (संक्रमित) बताए गए मामलों के रूप में वर्गीकृत कर दिया गया है।ये मामले विक्टोरिया के आधिकारिक आंकड़ों में शामिल नहीं हैं जबकि इन मामलों से जोड़े गए कई जोखिम स्थलों को भी हटा दिया गया है। कोविड-19 के लिए जिम्मेदार सार्स-सीओवी-2 वायरस की पहचान करने के लिए मुख्य और ''स्वर्ण मानक'' जांच रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज पॉलीमरेज चेन रिएक्शन (आरटी-पीसीआर) जांच है। आरटी-पीसीआर जांच अत्यधिक विशिष्ट है। इसका अर्थ यह है कि अगर कोई सचमुच संक्रमित नहीं है तो इस बात की अत्यधिक संभावना है कि जांच परिणाम नेगेटिव ही आएंगे। यह जांच बहुत संवेदनशील भी है। इसलिए अगर कोई सचमुच वायरस से संक्रमित है तो इस बात की भी संभावना अधिक है कि जांच परिणाम पॉजिटिव आएगा। लेकिन भले ही जांच अत्यधिक विशिष्ट है, लेकिन इस बात की थोड़ी सी आशंका रहती है कि किसी व्यक्ति को अगर संक्रमण न हो तो भी जांच परिणाम में वह पॉजिटिव यानी संक्रमित दिखे। इसको फॉल्स पॉजिटिव कहा जाता है। इसे समझने के लिए सबसे पहले यह जानना जरूरी है कि आरटी-पीसीआर जांच काम कैसे करती है। कोविड काल में ज्यादातर लोगों ने पीसीआर जांच के बारे में सुना है लेकिन यह काम कैसे करती है यह अब भी कुछ हद तक रहस्य जैसा है। आसान और कम शब्दों में समझने की कोशिश की जाए तो नाक या गले से रूई के फाहों से लिए गए नमूनों (स्वाब सैंपल) में से आरएनए (राइबोन्यूक्लिक एसिड, एक प्रकार की आनुवांशिक सामग्री) को निकालने के लिए रसायनों का प्रयोग किया जाता है। इसमें किसी व्यक्ति के आम आरएनए और अगर सार्स-सीओवी-2 वायरस मौजूद है तो उसका आरएनए शामिल होता है। इस आरएनए को फिर डीएनए (डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड) में बदला जाता है- इसी को ''रिवर्स ट्रांसक्रिप्टेज (आरटी)'' कहा जाता है। वायरस का पता लगाने के लिए डीएनए के छोटे खंडों को परिवर्धित किया जाता है। विशेष प्रकार के प्रतिदीप्त (फ्लोरोसेंट) डाई की मदद से, किसी जांच की नेगेटिव या पॉजिटिव के तौर पर पहचान की जाती है जो 35 या उससे अधिक परिवर्धन चक्र के बाद प्रकाश की चमक पर आधारित होता है। गलत पॉजिटिव परिणाम क्यों आते हैं, इसके पीछे मुख्य कारण प्रयोगशाला में हुई गलती और लक्ष्य से हटकर हुई प्रतिक्रिया है यानी परीक्षण किसी ऐसी चीज के साथ क्रॉस रिएक्ट कर गया जो सार्स-सीओवी-2 नहीं है। प्रयोगशाला में हुई गलतियों में लिपिकीय त्रुटियां, गलत नमूने की जांच करना, किसी दूसरे के पॉजिटिव नमूने से अन्य नमूने का दूषित हो जाना या प्रयोग किए गए प्रतिक्रियाशील द्रव्यों के साथ समस्या होना (जैसे रसायन, एंजाइम और डाई)। जिसे कोविड-19 हुआ हो और वह ठीक हो गया हो वह भी कभी-कभी जांच में संक्रमित दिखता है। ऐसे गलत परिणाम कितने आम हैं, इन्हें समझने के लिए हमें गलत पॉजिटिव दर को देखना होगा यानी जिन लोगों की जांच हुई और जो संक्रमित न होने के बावजूद पॉजिटिव पाए गए उनका अनुपात। हाल के एक प्रीप्रिंट (ऐसा पत्र जिसकी समीक्षा नहीं हुई या अन्य अनुसंधानकर्ताओं ने जिसका स्वतंत्र रूप से प्रमाणीकरण न किया हो) के लेखकों ने आरटी-पीसीआर जांच के लिए गलत पॉजिटिव दरों पर साक्ष्यों की समीक्षा की। उन्होंने कई अध्ययनों के जांच परिणामों को मिलाया और यह दर 0-16.7 प्रतिशत पाई। इन अध्ययनों में से 50 प्रतिशत अध्ययनों में यह दर 0.8-4.0 प्रतिशत तक पाई गई थी। आरटी-पीसीआर जांच में गलत नेगेटिव दरों पर की गई एक व्यवस्थित समीक्षा में गलत नेगेटिव दर 1.8-5.8 प्रतिशत पाई गई। हालांकि, समीक्षा में माना गया कि ज्यादातर अध्ययनों की गुणवत्ता खराब थी। इस लेख के लेखक के अनुसार कोई जांच एकदम सटीक नहीं है। उदाहरण के लिए अगर आरटी-पीसीआर जांच में गलत पॉजिटिव पाए जाने की दर चार प्रतिशत मानी जाए तो प्रत्येक 1,00,00 लोग जो जांच में नेगेटिव पाए गए हैं और जिन्हें सच में संक्रमण नहीं है, उनमें से 4,000 गलत तरीके से पॉजिटिव आ सकते हैं। समस्या यह है कि इनमें से ज्यादातर के बारे में हमें कभी पता नहीं चलेगा। संक्रमित मिलने वाले व्यक्ति को पृथक-वास में रहने को कहा जाएगा और उससे संपर्क में आया हर व्यक्ति यह मान लेगा कि उसमें बिना लक्षण वाली बीमारी है। कोई व्यक्ति जो गलत जांच के कारण संक्रमित बताया जाता है उसे मजबूरन पृथक-वास में रहना पड़ता है। किसी को अगर यह बताया जाए कि आपको घातक बीमारी है तो यह बहुत तनाव देने वाला होता है खासकर बुजुर्गों के लिए क्योंकि उनका स्वास्थ्य पहले से जोखिमों से भरा होता है। इसी तरह गलत नेगेटिव परिणाम भी स्पष्ट रूप से बहुत चिंताजनक हैं क्योंकि संक्रमित लोगों का समुदाय में यूं ही घूमना-फिरना खतरनाक हो सकता है। कुल मिलाकर कहा जाए कि फॉल्स नेगेटिव या फॉल्स पॉजिटिव दोनों ही परिणाम समस्या खड़ी करने वाले हैं।

द कन्वरसेशन नेत्रपाल

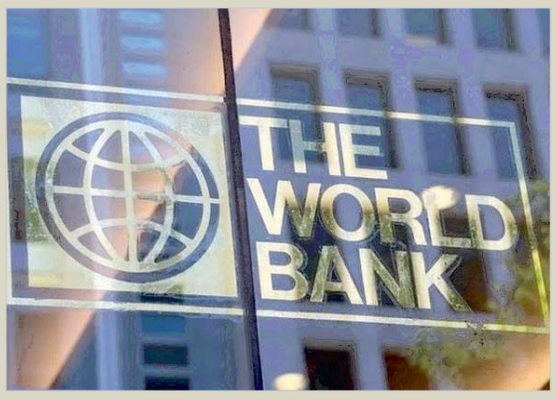

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वर्ल्ड बैंक का ऐलान! MSME सेक्टर की मदद के लिए भारत को देगा 50 करोड़ डॉलर

बिजनेस डेस्क: वर्ल्ड बैंक ने भारत को कोरोना संट के बीच एक बड़ा ऐलान करते हुए 500 मिलियन डॉलर की मदद करने का ऐलान किया है। इस राशि का इस्तेमाल एमएसएमई सेक्टर में हुए नुकसान से उबारने के लिए किया जाएगा। यह पहली बार नहीं है कि वर्ल्ड बैंक ने ममद का हाथ बढ़ाया है। पिछले वर्ष जुलाई में भी वर्ल्ड बैंक ने 750 मिलियन डॉलर की वित्तीय मदद की थी। **RAMP** कार्यक्रम के पहले चरण में **MSMEs** सेक्टर में कैश फ्लो बढ़ाने और ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके अलावा आर्थिक सुधार के लिए **MSME** उत्पादकता और वित्तपोषण बढ़ाने में विश्व बैंक भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन करेगा। मध्यम अवधि में निजी क्षेत्र के वित्तपोषण में लंबे समय से चल रही वित्तीय समस्याओं को निपटाया जाएगा। दूसरी सरकार की रेजिलिएशन एंड रिकवरी प्रोग्राम **(MCRRP)** के तहत 3.4 बिलियन डॉलर **MSME** उद्योग के लिए 15.5 बिलियन डॉलर का वित्तपोषण जुटाने की कोशिश की जा रही है।

होंडा इंडिया फाउंडेशन ने हरियाणा, राजस्थान में पृथकवास केंद्र स्थापित किए

नयी दिल्ली, भारत में होंडा समूह की कंपनियों की कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) इकाई होंडा इंडिया फाउंडेशन ने हरियाणा और राजस्थान में कोविड-19 देखभाल पृथकवास केंद्र स्थापित किया है। होंडा फाउंडेशन ने सोमवार को बयान में कहा कि उसके नौरंगपुर (हरियाणा) के 100 बिस्तर के केंद्र और टपूकड़ा (राजस्थान) के 50 बिस्तर केंद्र का परिचालन शुरू हो गया है। बयान में कहा गया है कि ये दोनों केंद्र हरियाणा और राजस्थान सरकार के सहयोग के स्थापित किए गए हैं। केंद्र पर चौबीसों घंटे प्रशिक्षित चिकित्सकों और नर्सें तैनात रहेंगी। साथ ही यहां अन्य जरूरी चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। होंडा इंडिया फाउंडेशन ने पांच राज्यों....हरियाणा, राजस्थान, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश तथा गुजरात में कोविड-19 राहत प्रयासों के तहत 6.5 करोड़ रुपये खर्च करने की प्रतिबद्धता जताई है। संगठन ने कहा कि वह मानेसर (हरियाणा), अलवर (राजस्थान), कोलार (कर्नाटक) और गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र भी लगा रहा है।

जुलाई में भाई के साथ अंतरिक्ष पर्यटन रॉकेट से उड़ान भरेंगे जेफ बेजोस

वाशिंगटन। ई-कॉमर्स कम्पनी-एमेजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस ने सोमवार को कहा कि वह 20 जुलाई को अपनी कंपनी ब्लू ओरिजिन के टूरिज्म रॉकेट न्यू शेपर्ड में अपने भाई के साथ अंतरिक्ष के छोर तक की उड़ान भरेंगे। अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर अपलोड किए गए एक वीडियो में बेजोस को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि वह और उनके भाई मार्क 20 जुलाई को अपनी अंतरिक्ष कंपनी-ब्लू ओरिजिन द्वारा बनाए गए रॉकेट से अंतरिक्ष में जाएंगे। ब्लू ओरिजिन ने पिछले महीने ही कहा था कि वह अंतरिक्ष में अपने पहले यात्री दल को लेकर जाएगा। अब इन यात्रियों में खुद बेजोस शामिल हो गए हैं। बेजोस ने आगे कहा कि अंतरिक्ष की यात्रा करना उनके लिए जीवन भर का सपना रहा है, और अपने भाई को सवारी के लिए साथ रखना सार्थक रहेगा। पांच मंजिल ऊंचा न्यू शेपर्ड रॉकेट को इस तरह तैयार किया गया है कि वह छह लोगों के साथ अंतरिक्ष के छोर तक की उड़ान भर सके। यह रॉकेट यात्रियों को लगभग 340, 000 फीट की उंचाई तक ले जाने में सक्षम है। जो लोद इसमें जाना चाहते हैं वे कुछ मिनटों के लिए माइक्रोग्रैविटी में भारहीनता का अनुभव कर सकेंगे। यही नहीं, वे अत्यधिक ऊंचाई से पृथ्वी को निहार भी सकेंगे।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजनाः अब दिवाली तक मिलेगा 5 किलो फ्री राशन

नेशनल डेस्क :

कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नाम संबोधन दिया। इस संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने दो बड़ी घोषणाएं की। पीएम मीदो ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को दो महीने से बढ़ाकर दीपावली तक बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा पीएम मोदी ने वैक्सीन को लेकर कहा कि योग दिवस से 18+ के लोगों को मुफ्त वैक्सीन मिलेगी। केंद्र सरकार राज्य सरकारों को मुफ्त वैक्सीन मुहैया कराएगी। दूसरी बड़ी घोषणा करते हुए उन्होंने कहा , '' देशवासियों टीकाकरण के अलावा आज एक और बड़े फैसले से मैं आपको अवगत कराना चाहता हूं। पिछले साल जब लॉकडाउन लगाना पड़ा तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ देशवासियों को 8 महीने तक मुफ्त राशन दिया गया। दूसरी वेव के कारण मई और जून के लिए भी ये योजना बढ़ाई गई।

पिछले साल मार्च में पहली बार लागू हुई थी योजना

पिछले साल कोविड-19 की पहली लहर के दौरान मार्च में जब पूरे देश में लॉकडाउन लगाया गया था तब इस योजना का ऐलान हुआ था। यह योजना प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज का हिस्सा थी। उस वक्त गरीब परिवारों को राहत देने के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत सरकार ने 80 करोड़ से अधिक राशनकार्ड धारकों को अप्रैल, मई और जून 2020 के लिए राशन कार्ड में दर्ज सदस्यों के आधार पर प्रति व्यक्ति पांच किलो अनाज (गेहूं अथवा चावल) और प्रति परिवार एक किलो दाल मुफ्त देने की घोषणा की थी।यह मुफ्त 5 किलो अनाज, राशन कार्ड पर रहने वाले अनाज के कोटे के अतिरिक्त घोषित किया गया था। बाद में सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार दिवाली और छठ पूजा तक कर दिया था। इस साल सरकार ने एक बार फिर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को लागू किया और इसे दिवाली तक विस्तारित कर दिया है।

स्कोडा ऑटो जुलाई में ग्राहकों को कुशक की डिलिवरी करेगा

चेन्नई। स्कोडा ऑटो इंडिया ने सोमवार को पुणे में स्कोडा ऑटो वोक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट में स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी)-कुशक को लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने कहा है कि उसकी ग्राहकों के लिए डिलीवरी जुलाई में शुरू करने की योजना है। कुशक एसयूवी एमकक्यूबी-ए0-आईएन प्लेटफार्म पर आधारित है, जो मॉड्यूलर एमक्यूबी-ए0 प्लेटफॉर्म का एक प्रकार है। इसे विशेष रूप से भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए स्कोडा द्वारा तैयार किया गया है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के प्रबंध निदेशक गुरप्रताप बोपाराय ने कहा, इंडिया 2.0 प्रोजेक्ट के तहत पहली कार का प्रोडक्शन रोल आउट भारत में स्कोडा ऑटो और वोक्सवैगन ग्रुप के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। यह दुनिया भर में और यहां भारत में हमारी टीमों के बीच एक महान सहयोग का प्रमाण है। बोपाराय के अनुसार, कुशक के निर्माण में 95 प्रतिशत तक लोकलाइजेशन है। मध्यम आकार की एसयूवी कुशक का नाम संस्कृत से लिया गया है। कम्पनी ने कहा है कि भारत में आज भी इस्तेमाल की जाने वाली देवताओं की भाषा में कुशक शब्द का अर्थ राजा या सम्राट होता है।

फिटनेस स्टार्टअप क्योरफिट में टाटा डिजिटल ने किया 7.5 करोड़ डॉलर का निवेश

मुंबई। टाटा संस की सहायक कंपनी टाटा डिजिटल ने सोमवार को कहा कि उसने फिटनेस स्टार्टअप क्योरफिट में 7.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया है। इस निवेश के बाद क्योरफिट के संस्थापक और सीईओ मुकेश बंसल टाटा डिजिटल में टाटा डिजिटल के अध्यक्ष के रूप में शामिल होंगे। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इसके अलावा, मुकेश क्योरफिट में अपने नेतृत्व की भूमिका में बने रहेंगे। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने कहा, फिटनेस और वेलनेस उद्योग में अग्रणी प्लेटफॉर्म क्योरफिट के साथ हमारी साझेदारी हमारे समग्र स्वास्थ्य प्रोपोजीशन के साथ बहुत अच्छी तरह से मेल खाती है। यह वह समय है जब फिटनेस तेजी से उपभोक्ताओं के जीवन का अभिन्न अंग बनता जा रहा है। टाटा डिजिटल ने अगस्त 2019 में अपना परिचालन शुरू किया था। इसका मुख्य लक्ष्य उपभोक्ता केंद्रित डिजिटल व्यवसायों का निर्माण करना था ताकि उपभोक्ता जुड़ाव और कई कार्यक्षेत्रों में उनकी जरूरतों को पूरा किया जा सके। दूसरी ओर, क्योरफिट फिटनेस और वेलनेस बाजार में एक अग्रणी प्लेअर है जो 20 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से बढ़ रहा है और 2025 तक 12 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। आज की घोषणा से पहले, क्योरफिट ने लगभग 41.8 करोड़ डॉलर जुटाए थे।

सेंसेक्स 228 अंक के उछाल से अपने सर्वकालिक उच्चस्तर पर, निफ्टी का भी नया रिकॉर्ड

मुंबई,

कोविड-19 संक्रमण के मामलों में कमी के बीच कई राज्यों द्वारा अंकुशों में ढील दिए जाने के बाद सोमवार को सेंसेक्स 228 अंक के उछाल के साथ अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। कारोबारियों ने कहा कि रुपये में बढ़त से भी बाजार को रफ्तार मिली। हालांकि, कमजोर वैश्विक रुख से बाजार का लाभ सिमट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सुस्त रुख के साथ खुलने के बाद अंत में 228.46 अंक या 0.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,328.51 अंक पर बंद हुआ। यह सेंसेक्स का सर्वकालिक उच्चस्तर है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 81.40 अंक या 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 15,751.65 अंक के नए रिकॉर्ड पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड का शेयर सबसे अधिक 4.44 प्रतिशत चढ़ गया। एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा तथा एलएंडटी शेयर भी लाभ में रहे। सेंसेक्स की बढ़त में करीब आधा योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा। वहीं दूसरी ओर बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी, डॉ रेड्डीज, एसबीआई और ओएनजीसी के शेयर 4.43 प्रतिशत तक टूट गए।रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति प्रमुख विनोद मोदी ने कहा, ''कोविड-19 संक्रमण के मामलों में लगातार कमी के बाद राज्यों ने कारोबारी अंकुशों को हटाना शुरू कर दिया है।''उन्होंने कहा कि निजी बैंकों, वाहन और आईटी कंपनियों के शेयरों में अच्छा लाभ देखने को मिला। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्र के नाम संबोधन से पहले घरेलू बाजार आज लाभ में बंद हुए। अंकुशों में ढील की उम्मीद तथा कोविड-19 टीकाकरण नीति से बाजार में आशा का संचार हुआ है।''बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप 1.38 प्रतिशत तक चढ़ गए। अन्य एशियाई बाजारों चीन का शंघाई कम्पोजिट, जापान का निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में गिरावट आई।

दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजार नुकसान में थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल 0.58 प्रतिशत के नुकसान से 71.47 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 19 पैसे की बढ़त के साथ 72.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार देश में पिछले 24 घंटों में कोविड-19 संक्रमण के 1,00,636 नए मामले आए हैं। यह पिछले 61 दिन का सबसे निचला आंकड़ा है। सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 14,01,609 रह गई है। अब तक इस महामारी से 3,49,186 लोगों की मौत हुई है।

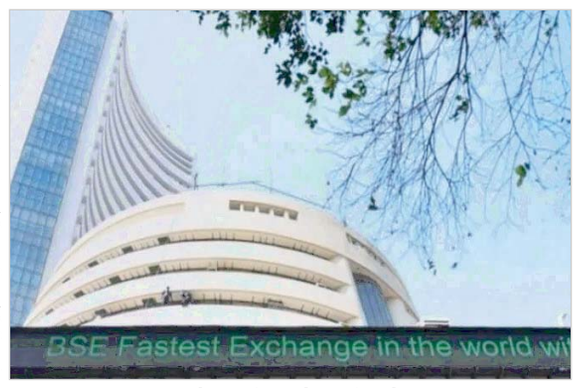

एसबीआई ने डिजिटल भुगतान फर्म कैशफ्री में किया निवेश

बेंगलुरु।

डिजिटल भुगतान और बैंकिंग प्रौद्योगिकी कंपनी कैशफ्री ने सोमवार को घोषणा की है कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने इस कंपनी में निवेश किया है। कैशफ्री ने एक बयान में कहा कि यह कदम भुगतान के डिजिटल तरीकों को बढ़ावा देने के उनके साझा दृष्टिकोण को पुष्ट करता है। हालांकि, इसने निवेश राशि का खुलासा नहीं किया। कैशफ्री, सह-संस्थापक और सीईओ आकाश सिन्हा कहते हैं, हम देश के भरोसेमंद और अग्रणी ऋणदाता एसबीआई के साथ अपनी साझेदारी को लेकर उत्साहित हैं। भारत के सबसे बड़े बैंक का निवेश कैशफ्री के इनोवेशन में अपना विश्वास दिखा रहा है और जिस तरह से हम भुगतान व्यवसाय को तेजी से बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकास एक भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में कैशफ्री की भूमिका को भी रेखांकित करता है जो भुगतान इकट्ठा करने और बढ़ते व्यवसायों के लिए भुगतान करने का सबसे तेज और आसान तरीका सक्षम बनाता है। सिन्हा ने कहा, जैसा कि हम अर्थव्यवस्था को डिजिटल बनाने की दिशा में काम करते हैं, हम भारतीय व्यवसायों के बीच डिजिटल लेनदेन में एकरूपता, पारदर्शिता और कम टर्नअराउंड समय लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। निवेश हमारी विकास रणनीति के साथ पूरी तरह से फिट बैठता है क्योंकि हम ग्राहक अनुभव और उत्पाद नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए हैं। कैशफ्री एक पूर्ण-स्टैक भुगतान समाधान मंच देता है जो भारत और विदेशों में बढ़ते व्यवसायों को एकल एकीकरण के माध्यम से ऑनलाइन भुगतान स्वीकार करने और वितरित करने में सक्षम बनाता है। यह सालाना 20 अरब डॉलर के लेनदेन की प्रक्रिया करता है। भारत के अलावा, कैशफ्री के उत्पादों का उपयोग संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात सहित आठ अन्य देशों में किया जाता है। पेमेंट्स अग्रणी पेपाल द्वारा इनक्यूबेट किया गया, कैशफ्री एपिस पार्टनर्स, स्माइलगेट और वाई कॉम्बिनेटर द्वारा समर्थित है। कैशफ्री का उपयोग जोमेटो, क्रैड, नाईका, देह्लीवेरी, ऐको, शैल जैसे व्यवसायों द्वारा विभिन्न व्यावसायिक भुगतान आवश्यकताओं जैसे ई-कॉमर्स भुगतान संग्रह, विक्रेता भुगतान, बाजार निपटान आदि के लिए किया जाता है।

एसके टेलीकॉम ई-कॉमर्स इकाई में अमेजन को नहीं बेच रही हिस्सेदारी

सोल। दक्षिण कोरियाई वायरलेस दूरसंचार ऑपरेटर एसके टेलीकॉम ने सोमवार को उस एक न्यूज रिपोर्ट का खंडन किया, जिसमें बताया गया है कि कंपनी अपने ऑनलाइन खुदरा व्यापार को बढ़ावा देने के लिए अपनी ई-कॉमर्स इकाई 11स्ट्रीट की हिस्सेदारी ई-कॉमर्स साइट अमेजन को बेचने की योजना बना रही है। स्थानीय मीडिया में पहले इस बात की जानकारी दी गई थी कि अमेजन को 11 स्ट्रीट में 30 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी और आने वाले समय में यह 50 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, एसके टेलीकॉम और अमेजन ने पिछले साल नवंबर में ई-कॉमर्स क्षेत्र में सहयोग करने के लिए संबंधों को मजबूत करते हुए एक समझौता किया, जिसके तहत अमेजन को 11स्ट्रीट में हिस्सेदारी हासिल करने का अधिकार है। एसके टेलीकॉम ने अपने एक बयान में कहा था, हम एक सेवा शुरू करने के लिए सहयोग कर रहे हैं ताकि अमेजन के उत्पादों को सीधे 11स्ट्रीट में खरीदा जा सके। 11स्ट्रीट में एसके टेलीकॉम की हिस्सेदारी इस वक्त 80 फीसदी है और इनकी योजना अगले साल एक ऑनलाइन रिटेलर शुरू करने की है।

सैमसंग पहली तिमाही में वैश्विक स्तर पर एंड-यूजर स्मार्टफोन की बिक्री में अग्रणी : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

सैमसंग के नेतृत्व में 2021 की पहली तिमाही में एंड-यूजर्स के लिए वैश्विक स्मार्टफोन की बिक्री में 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। गार्टनर की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह जानकारी दी गई।

पिछले साल चौथी तिमाही में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद, 15.5 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ एप्पल कंपनी 2021 की पहली तिमाही में दूसरे स्थान पर खिसक गई है। इसके पहले 5जी आईफोन के लॉन्च के साथ 2021 में इसकी लगातार मांग बनी हुई है। गार्टनर के वरिष्ठ शोध निदेशक अंशुल गुप्ता ने कहा, 5जी 2021 में एप्पल के लिए प्रमुख विकास चालक (ग्रोथ ड्राइवर) बना रहेगा। डिवाइस अपग्रेड से पूरे साल एप्पल के फ्लैगशिप फोन की मांग बढ़ेगी।श्याओमी 12.9 प्रतिशत मार्केट शेयर (बाजार हिस्सेदारी) के साथ तीसरे, वीवो 10.2 प्रतिशत शेयर के साथ चौथे और ओप्पो 10.2 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ पांचवें नंबर पर रहा।150 डॉलर से कम कीमत वाले फोन जैसे मिड-प्राइस स्मार्टफोन के लॉन्च ने वैश्विक स्तर पर सैमसंग की बिक्री को बढ़ावा दिया है। इसके प्रमुख 5जी स्मार्टफोन की शुरूआती शिपमेंट ने कंपनी के स्मार्टफोन की बिक्री में वृद्धि सुनिश्चित की है। रिपोर्ट में दिखाया गया है कि कंज्यूमर आउटलुक में सुधार, निरंतर सीखने और घर से काम करने के साथ-साथ 2020 से मांग में बढ़ोतरी ने पहली तिमाही में स्मार्टफोन की बिक्री को बढ़ावा दिया है। गुप्ता ने कहा, हालांकि, कोई इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकता है कि 2019 की तुलना में 2020 में तुलना का आधार भी कम है। यह दोहरे अंकों की वृद्धि की व्याख्या करता है। सभी शीर्ष पांच वैश्विक स्मार्टफोन विक्रेताओं ने 2020 में मजबूत (वर्ष-दर-वर्ष) वृद्धि दर्ज की, जो दिखाता है कि फोन बाजार शीर्ष पांच विक्रेताओं के आसपास मजबूत हो रहा है। चीनी स्मार्टफोन विक्रेता श्याओमी, ओप्पो और वीवो ने 5जी स्मार्टफोन की बढ़ती मांग को देखा है और इस तिमाही में वैश्विक स्तर पर हुआवे और एलजी की कमजोर बिक्री के कारण अवसरों का फायदा उठाया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वैश्विक चिप की कमी ने अभी तक स्मार्टफोन उद्योग को प्रभावित नहीं किया है, क्योंकि मांग और आपूर्ति संतुलन पूरा हो गया है।

एमआरएफ बोर्ड ने अंतिम और विशेष लाभांश की सिफारिश की

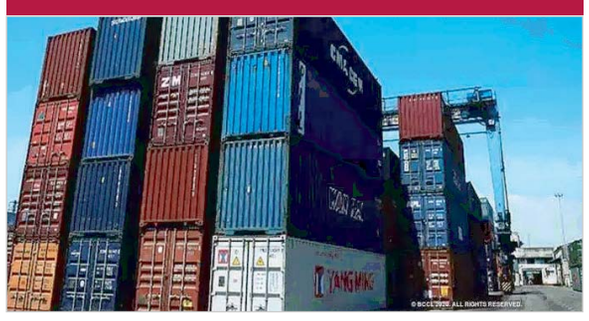

चेन्नई।

प्रमुख टायर कंपनी एमआरएफ लिमिटेड ने सोमवार को कहा कि उसने पिछले वित्त वर्ष में कुल 16,128.58 करोड़ रुपये की आय अर्जित की, जिसमें 1,249.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ शामिल है।कंपनी ने वित्त वर्ष 2020 में कुल 16,321.64 करोड़ रुपये की आय और 1,394.98 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया था। कंपनी ने यह भी कहा कि निदेशक मंडल ने 10 रुपये फेस वैल्यू के साथ 94 रुपये (940 प्रतिशत) प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। अंतिम लाभांश के अलावा, एमआरएफ बोर्ड ने कंपनी की 60वीं वार्षिक आम बैठक के संबंध में 10 रुपये प्रति शेयर 50 रुपये (500 प्रतिशत) के विशेष लाभांश की सिफारिश की है। कंपनी 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए पहले ही 3 रुपये (30 प्रतिशत) प्रति शेयर के दो अंतरिम लाभांश की घोषणा और भुगतान कर चुकी है। 31 मार्च 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए इसका कुल लाभांश (विशेष लाभांश सहित) प्रति शेयर 10 रुपये प्रति शेयर 150 रुपये (1,500 प्रतिशत) दर्ज किया गया है। वर्ष 2021मद्रास रबर फैक्ट्री की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने का भी प्रतीक है। मद्रास रबर फैक्ट्री ने बाद में ट्रेड रबर का निर्माण शुरू किया, जिस समय इसे एक

साझेदारी प्रतिष्ठान में बदल दिया गया था। इसके बाद वर्ष 1960 के दौरान, इसे एक लिमिटेड कंपनी में बदल दिया गया, जिसके बाद इसने ऑटोमोटिव टायर और ट्यूब का निर्माण शुरू किया।

अमेरिका, अन्य बाजारों में महामारी का प्रभाव घटने से मई में चीन का निर्यात 28 प्रतिशत बढ़ा

बीजिंग,

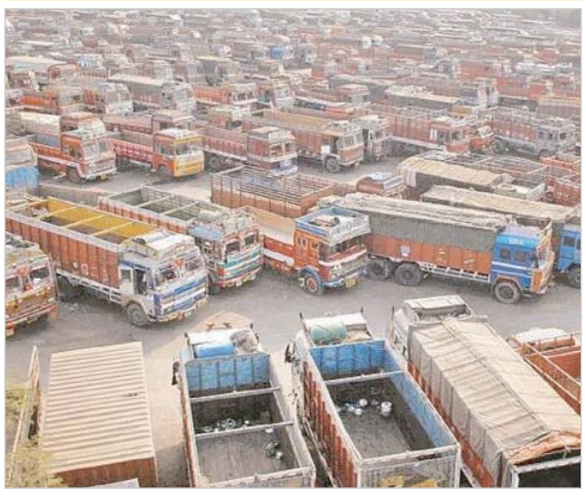

अमेरिका और अन्य बाजारों की मांग सुधरने से मई में चीन के निर्यात में करीब 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वही इस दौरान उसका आयात 51 प्रतिशत बढ़ गया।

दुनिया के विभिन्न देश अब कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव से उबर रहे हैं। इस पुनरुद्धार की अगुवाई चीन कर रहा है। जिन देशों में टीकाकरण अधिक तेजी से हो रहा है, वहां के हालात अधिक तेजी से सुधर रहे हैं। चीन के सीमा शुल्क विभाग के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल के पहले पांच माह में निर्यात 40 प्रतिशत बढ़ा है। 2019 में समान अवधि में निर्यात 29 प्रतिशत बढ़ा था। मई में चीन का निर्यात 263.9 अरब डॉलर रहा, जो पिछले माह के स्तर के बराबर है। वहीं मई में चीन का आयात 218.4 अरब डॉलर रहा, जो अप्रैल की तुलना में 1.2 प्रतिशत कम है। अमेरिका के साथ राजनीतिक दृष्टि से संवेदनशील चीन का व्यापार अधिशेष मई में 14 प्रतिशत बढ़कर 31.8 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं यूरोपीय संघ के साथ यह 43 प्रतिशत घटकर 12.7 अरब डॉलर रह गया। मई में चीन का कुल व्यापार अधिशेष 45.53 अरब डॉलर रहा। यह एक साल पहले की तुलना में 26.5 प्रतिशत कम है। हालांकि, मई में चीन का निर्यात बढ़ा है, लेकिन यह कई विश्लेषकों के अनुमान की तुलना में कम रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि इसकी एक वजह यह है कि कोरोना वायरस के मामले बढ़ने की वजह से दक्षिणी चीन में बंदरगाहों में विलंब होना है। यह चीन का मुख्य जहाजरानी केंद्र है। संक्रमण के मामले बढ़ने की वजह से इन बंदरगाहों पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 2021-22 के दौरान 23-28फिसदी तक वृद्धि का अनुमानः क्रिसिल

मुंबई:

रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के चलते लगाए गए लॉकडाउन के कारण वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान 23-28 प्रतिशत तक वृद्धि का अनुमान है, जबकि पहले 32-37 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की उम्मीद थी। क्रिसिल ने सोमवार को जारी इस रिपोर्ट में कहा कि इस बढ़ोतरी के बावजूद कुल वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 2019 की तुलना में चालू वित्त वर्ष के दौरान लगभग 30 प्रतिशत कम रह सकती है। कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए पिछले साल लगाए गए सख्त लॉकडाउन के दौरान बिक्री दशक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी। वित्त वर्ष 2020-21 में वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 21 प्रतिशत घटकर 5,68,559 इकाई रह गई थी, जबकि 2019-20 में यह आंकड़ा 7,17,539 था। क्रिसिल ने कहा कि वाणिज्यिक वाहन खंड में 2020 और 2021 के दौरान क्रमशः 29 प्रतिशत और 21 प्रतिशत की गिरावट हुई। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक अप्रैल में भाड़े की दरों में करीब 20 प्रतिशत तक की गिरावट हुई और मई में मुनाफे को लेकर परिचालन में दबाव बना रहा।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

बर्लिन ओपन से हटीं ओसाका, विंबलडन में खेलना तय नहीं

बर्लिन। दुनिया की नंबर दूसरे नंबर की महिला टेनिस खिलाड़ी जापान की नाओमी ओसाका ने 14 जून से शुरू होने वाली बर्लिन डब्ल्यूटीए ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को लेकर ओसाका फ्रेंच ओपन में विवादों में रही थी। बर्लिन ओपन के आयोजनकर्ताओं ने सोमवार को कहा कि नाओमी ने एक सप्ताह पहले ही इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। उन्होंने आयोजनकर्ताओं से कहा है कि वह बर्लिन टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरूआत नहीं कर पाएंगी। तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह कोर्ट पर लौटेंगी। विंबलडन की शुरूआत 28 जून से होनी है और फिर इसके बाद टोक्या ओलंपिक होना है। 23 साल की ओसाका ने पिछले सोमवार को ही फ्रेंच ओपन से अपना नाम वापस ले लिया था क्योंकि मानसिक स्वास्थ्य के कारण मीडिया से बात न करने को लेकर वह विवादों में थीं।

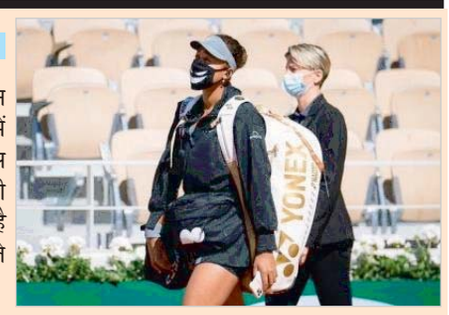

जूडो खिलाड़ी सुशीला देवी अस्थाई रूप से ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली।

भारतीय जूडो खिलाड़ी सुशीला देवी ने महाद्वीपीय कोटा हासिल करके अस्थाई रूप से टोक्यो ओलिम्पिक के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सुशील के टोक्यो ओलिम्पिक में हिस्सा लेने की पुष्टि हालांकि 28 जून को ही हो पाएगी जब क्वालीफाई करने वाले खिलाडियों की अंतिम सूची जारी होगी। रविवार को यहां विश्व जूडो चैंपियनशिप के 48 किग्रा वर्ग के पहले दौर में ही सुशील को हार का सामना करना पड़ा था। उनके अभी 989 अंक हैं जिससे वह एशियाई सूची में 7वें स्थान पर हैं। अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ की वेबसाइट के अनुसार- जारी की गई सूचना अस्थाई है और सिर्फ उन जुडेकाओं के नाम दिए गए हैं जो अगर आज ओलिम्पिक होते तो क्वालीफाई कर जाते। महाद्वीपीय कोटा क्षेत्र में जूडो खिलाड़ी की रैंकिंग के आधार पर दिए जाते हैं। एशिया के पास 10 कोटा स्थान हैं। वेबसाइट के अनुसार- इस सूची में 28 जून 2021 तक काफी बदलाव होने की संभावना है जो ओलिम्पिक क्वालीफिकेशन अंक हासिल करने की अंतिम तिथि है। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने सुशीला को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी। रीजीजू ने ट्वीट किया कि मैं जुडोका सुशीला देवी को महिला 48 किग्रा वर्ग में महाद्वीपीय कोटा के जरिए तोक्यो 2020 के लिए क्वालीफाई करने पर बधाई देता हूं। भारत को गौरवांवित करके लिए हमारे खिलाड़ी सर्वश्रेष्ठ प्रयास कर रहे हैं। भारतीय जूडो महासंघ ने हालांकि कहा कि वह अंतिम सूची का इंतजार करेगा। महासंघ के सूत्र ने कहा कि इसमें (अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ की सूची) बदलाव हो सकता है और 28 जून को ही अंतिम सूची तैयार होगी। उन्होंने कहा कि इसलिए मैं निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि सुशीला ने क्वालीफाई किया है या नहीं। शायद 13 जून को विश्व चैंपियनशिप के खत्म होने के बाद हमें पता चले। सूत्र ने कहा कि मौजूदा विश्व चैंपियनशिप के बाद कोई ओलंपिक क्वालीफाइंग प्रतियोगिता नहीं है। भारत को सिर्फ एक कोटा मिलेगा जो सुशीला लिकमाबम (महिला अंडर 48 किग्रा) और जसलीन (पुरुष अंडर 66 किग्रा) के बीच होगा। हर क्षेत्र की एक राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति का सिर्फ एक खिलाड़ी महाद्वीपीय कोटे के जरिए क्वालीफाई करने का हकदार होता है।

भारत का श्रीलंका दौरा 13 से 25 जुलाई के बीच, खेले जाएंगे तीन वनडे और तीन टी20 मैच

नई दिल्ली।

भारत की दूसरे दर्जे की टीम श्रीलंका में 13 से 25 जुलाई के बीच तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेलेगी। प्रसारणकर्ता सोनी ने सोमवार को यह घोषणा की। भारतीय चयनकर्ताओं के सीमित ओवरों की श्रृंखला के इस दौरे के लिए टीम में कई उदीयमान खिलाड़ियों को जगह देने की उम्मीद हैं जबकि शिखर धवन और हार्दिक पंड्या टीम इंडिया की कप्तानी की दौड़ में हैं। श्रेयस अय्यर अगर पूरी तरह फिट हो जाते हैं जो वह भी कप्तानी का विकल्प हो सकते हैं। सोनी स्पोर्ट्स ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम की घोषणा की। चैनल ने कार्यक्रम के साथ ट्वीट किया, 'भारत की लहरें श्रीलंका के तट से टकराएंगी।% एक दिवसीय मुकाबले 13, 16 और 18 जुलाई को खेले जाएंगे जबकि टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले 21, 23 और 25 जुलाई को होंगे। मैचों के स्थल की घोषणा भी नहीं की गई है।

ऐसा कम ही देखने को मिलता है जब भारत की दो टीमें एक ही समय दो अलग देशों में खेल रही हों।

विराट कोहली की अगुआई वाली टेस्ट टीम इसी दौरान इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला की तैयारी कर रही होगी। टेस्ट टीम 18 जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ साउथम्पटन में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए पहले ही ब्रिटेन पहुंच चुकी है। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला चार अगस्त से शुरू होगी।

कोको गॉफ फ्रेंच ओपन क्वार्टर फाइनल में

पेरिस

अमेरिका की किशोरी कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में ओन्स जेबोर को सीधे सेटों में हराकर पहली बार ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। सत्रह साल की गॉफ ने एकतरफा मुकाबले में जेबोर को 6-3, 6-1 से शिकस्त दी। पूरे मुकाबले के दौरान अमेरिकी खिलाड़ी ने अपनी सर्विस पर सिर्फ नौ अंक गंवाए। तीसरे दौर में भी गॉफ की राह आसान रही थी जब उनके पहला सेट जीतने के बाद जेनिफर ब्रेडी बाएं पैर में चोट के कारण मुकाबले से हट गई थी। गॉफ का अगले दौर में सामना बारबरा क्रेजसिकोवा से होगा। क्रेजसिकोवा ने भी 2018 की फ्रेंच ओपन उप विजेता स्लोएन स्टीफंस को सीधे सेटों में 6-2, 6-0 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम के अंतिम आठ में जगह बनाई।

सेरेना विलियम्स फ्रेंच ओपन से बाहर

पेरिस।

सेरेना विलियम्स सितंबर में 40 वर्ष की हो जाएगी। रोजर फेडरर इससे एक महीने पहले उम्र के इस पड़ाव पर पहुंच जाएंगे। कोई नहीं जानता कि ये दोनों आगे कितनी बार फ्रेंच ओपन में खेलेंगे लेकिन इस साल के टूर्नामेंट में रविवार को इन दोनों का सफर समाप्त हो गया। सेरेना को चौथे दौर में कजाखस्तान की इलेना रीबाकिना ने 6–3, 7–5 से हराया। इस मैच में अनुभव पर उम्र हावी हो गई। अमेरिकी खिलाड़ी सेरेना ने जब 1998 में फ्रेंच ओपन में पदार्पण किया था तब रीबाकिना का जन्म भी नहीं हुआ था। मैच के बाद सेरेना से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि यह फ्रेंच ओपन में उनका आखिरी मैच हो सकता है, उन्होंने कहा कि मैं निश्चित तौर पर इस बारे में नहीं सोच रही हूं। मैं अभी अन्य चीजों के बारे में सोच रही हूं लेकिन इस बारे में कतई नहीं। सेरेना की हार से कुछ घंटे पहले फेडरर ने हटने का फैसला किया था ताकि वह विंबलडन के लिए पूरी तरह फिट हो सकें। फेडरर ने 8 और सेरेना ने 7 बार विंबलडन का खिताब जीता है जो 28 जून से शुरू होगा। फेडरर इससे पहले कभी किसी टूर्नामेंट के बीच से नहीं हटे थे। सेरेना ने कहा कि मैं अलग तरह के कोर्ट पर खेलने को लेकर उत्साहित हूं। इतिहास गवाह है कि मैंने घसियाले कोर्ट पर अच्छा प्रदर्शन किया है। फेडरर ने 20 और सेरेना ने 23 ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट जीते हैं और इन दोनों का जल्दी बाहर हो जाना आयोजकों के लिए भी झटका है। इससे पहले दूसरी वरीयता प्राप्त नाओमी ओसाका मानसिक स्वास्थ्य का हवाला देकर टूर्नामेंट से हट गई थी। सेरेना ने तीन बार फ्रेंच ओपन का खिताब जीता है लेकिन 2016 में उप विजेता बनने के बाद वह कभी चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई। इससे उनका मारग्रेट कोर्ट के 24 ग्रैंडस्लैम खिताब का रिकार्ड बराबर करने का सपना फिर से टूट गया। सेरेना ने अपना आखिरी ग्रैंडस्लैम खिताब 2017 में आस्ट्रेलियाई ओपन के रूप में जीता था। रीबाकिना अभी 21 साल की है और किसी ग्रैंडस्लैम में पहली बार वह इतना आगे तक बढ़ने में सफल रही। उन्होंने कहा कि मैं जब छोटी थी तो टीवी पर उनके मैच देखा करती थी। रीबाकिना क्वार्टर फाइनल में अनस्तेसिया पावलिचेनकोवा से भिड़ेगी जिन्होंने दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका को 5-7, 6-3, 6-2 से हराया। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में पाउला बाडोसा और तमारा जिदानसेक आमने सामने होंगी। ये दोनों भी पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम आठ में पहुंची हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 से उबरे 5 खिलाड़ियों को पहला टीका लगवाने के निर्देश, हासिल कर चुके हैं ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने हाल में कोविड-19 से उबरे पांच खिलाड़ियों को जल्द से जल्द पहला टीका लगाने के लिए कहा है। ये पांचों खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं। इस सूची में सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) के रूप में एकमात्र मुक्केबाज शामिल है जबकि चार अन्य निशानेबाज हैं। निशानेबाजों में 19 वर्षीय सौरभ चौधरी भी शामिल हैं जिन्होंने इस साल आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। अन्य तीन निशानेबाज राही सरनोबट (महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल), दीपक कुमार (10 मीटर एयर राइफल) और शॉटगन निशानेबाज मैराज अहमद खान शामिल हैं। आईओए अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने बयान में कहा, 'मुक्केबाजी और निशानेबाजी (महासंघों) से अनुरोध है कि इस पर तुरंत अमल करके सूचित करें।' आईओए ने कहा कि अब तक 120 सामान्य खिलाड़ियों और 27 पैरा खिलाड़ियों ने कम से कम पहला टीका लगवा लिया है। संस्था ने कहा कि 62 खिलाड़ी ऐसे भी हैं जिन्होंने दोनों टीके लगवा लिए हैं। इनमें चार पैरा खिलाड़ी भी शामिल हैं। जहां तक प्रशिक्षकों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों का सवाल है तो अब तक 114 को पहला टीका लग चुका है जबकि 37 सदस्यों ने दोनों टीके लगवा लिए हैं।

भारतीय हॉकी टीम ओलिम्पिक पदक की प्रबल दावेदार : तुषार खांडेकर

नई दिल्ली : पूर्व स्ट्राइकर तुषार खांडेकर का मानना है कि भारतीय हॉकी टीम ने पिछले कुछ वर्षों में शीर्ष टीमों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके आत्मविश्वास हासिल किया है और इसलिए वह ओलंपिक खेलों में पदक की प्रबल दावेदार है। ओलिम्पिक खेल 23 जुलाई से तोक्यो में शुरू होंगे। खांडेकर ने 'हॉकी ते चर्चा' कार्यक्रम के दौरान कहा कि मुझे लगता है कि अभी टीम (भारतीय पुरुष टीम) जैसा प्रदर्शन कर रही है उसे देखते हुए वे पदक के प्रबल दावेदार हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी जानते हैं कि ओलिम्पिक जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में छोटी गलतियां कितना नुकसान पहुंचा सकती है। भारतीय टीम ने पिछले महीनों में अर्जेंटीना और यूरोप के अपने दौरों में अच्छा प्रदर्शन किया था। खाडेकर ने कहा कि हमने प्रत्येक ओलिम्पिक खेल से सबक लिया। हम 2008 में क्वालीफाई नहीं कर पाए लेकिन लंदन में 12वें और रियो में आठवें स्थान पर रहे। हमने 2012 में जो गलतियां की थी उनसे सबक लिया था। उन्होंने कहा कि लंदन ओलिम्पिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों जैसे श्रीजेश, मनप्रीत, सुनील, दानिश मुज्तबा, रघुनाथ और अन्य रियो में खेले और उन्होंने यह सुनिश्चति किया कि टीम लंदन वाली गलतियों को नहीं दोहराएगी। खांडेकर ने कहा कि इसी तरह से मुझे विश्वास है कि रियो ओलंपिक में खेलने वाले खिलाड़ी टीम को उन गलतियों से आगाह करेंगे जिनसे तोक्यो में बचना है।

नीरज चोपड़ा पुर्तगाल पहुंचे, 10 जून को प्रतियोगिता में लेंगे भाग

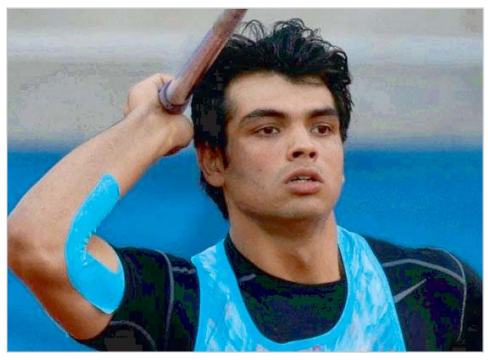

नई दिल्ली।

ओलंपिक की तैयारियों में लगे भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा 10 जून को लिस्बन में एक प्रतियोगिता में भाग लेने के लिये पुर्तगाल पहुंच चुके हैं। इससे वह एक साल से भी अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में वापसी करेंगे। पिछले साल जनवरी में दक्षिण अफ्रीका में तोक्यो ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने के बाद किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लने वाले चोपड़ा रविवार को लिस्बन पहुंचे। वह 10 जून को लिस्बन विश्वविद्यालय स्टेडियम में मीटिंग सिटी आफ लिस्बन प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। चोपड़ा के करीबी सूत्रों ने बताया, 'चोपड़ा 10 जून को लिस्बन में एक प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। हम अन्य प्रतियोगिताओं की व्यवस्था करने की भी कोशिश कर रहे हैं जिनमें 22 जून को स्वीडन में होने वाली कार्लस्टैंड ग्रां प्री भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'लिस्बन में वह अभ्यास करने के साथ प्रतियोगिताओं में भी भाग ले पाएगा। यह बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि कई देशों में भारतीयों को वहां पहुंचने पर कड़े पृथकवास पर रहना पड़ रहा है।' चोपड़ा ने कुछ सप्ताह पहले कहा था कि प्रतियोगिताओं में भाग नहीं ले पाने के कारण उनकी ओलंपिक तैयारियां प्रभावित हो रही है। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी अभ्यास और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये पिछले सोमवार को यूरोप रवाना हुआ था। उन्होंने मार्च में पटियाला में इंडियन ग्रां प्री तीन में 88.07 मीटर भाला फेंककर स्वयं के राष्ट्रीय रिकार्ड में सुधार किया था। चोपड़ा ने दक्षिण अफ्रीका के पोचेफ्सट्रूम में 87.86 मीटर भाला फेंककर ओलंपिक के लिये क्वालीफाई किया था।

कोहली और विलियम्सन कप्तानी की प्रतिद्वंद्विता को दोहराने के लिए तैयार

लंदन।

भारतीय कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन जब 18 जून से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल के लिए मैदान में उतरेंगे, तो वे एक बार फिर से कप्तानी की पुरानी प्रतिद्वंद्विता को दोहराएंगे। दोनों कप्तान इससे पहले 2008 में अंडर-19 विश्व कप सेमीफाइनल में कप्तानी की अपनी प्रतिद्वंद्विता को दोहरा चुके हैं। 13 साल पहले कोहली की कप्तानी में भारत ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। दोनों कप्तान इससे पहले 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में एक दूसरे के खिलाफ मैदान पर उतरे थे, जब विलियम्सन की कप्तानी कीवी टीम ने भारत को 18 रन से हराया था। पूर्व आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने हाल में कहा था कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में दोनों कप्तानों की शैली की परीक्षा होगी। और अब पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन का भी यही मानना है। अजहरुद्दीन ने सोमवार को आईएएनएस से कहा, मैं कप्तानों और खिलाड़ियों की तुलना करना पसंद नहीं करता। लेकिन कोहली और विलियम्सन दोनों अलग अलग है और वे काफी सफल भी रहे हैं। दोनों ने अपने अपने देशों के लिए शानदार काम किया है। उन्होंने कहा, विलियम्सन ने खुद के लिए और अपनी टीम के लिए भी काफी कुछ किया है, चाहे जो भी संसाधन उनके पास रहे हो। उनके पास काफी क्लास है। वह महानुभाव हैं। यहां तक कि अगर वह मैच भी हारते हैं तो हमेशा से मुस्कुराते रहते हैं, जैसा कि हम 2019 विश्व कप के फाइनल में देख चुके हैं। अगर और कोई कप्तान होते तो वह अपना आपा खो बैठते, लेकिन वे शांत रहे और उन्होंने हार स्वीकार की। पूर्व कप्तान ने कहा, वह कोहली की तरह आक्रामक नहीं होते हैं, लेकिन बेहतरीन तरीके से अपना काम करते हैं। अजहर ने कहा कि दोनों कप्तानों ने अपने अपने संसाधानों का अच्छे से इस्तेमाल किया है। कोहली अपनी शैली को लेकर अलग हैं और इसका उन्हें फायदा भी मिलता है। उन्होंने कहा, कोहली अलग हैं। उन्हें वह टीम मिली है जिन्हें वह अच्छे से जानते हैं। उनके पास अच्छे गेंदबाज हैं। दोनों ने अपने देशों के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। विलियम्सन ने न्यूजीलैंड के लिए अब 36 टेस्ट मैचों में कप्तानी की है, जिसमें से कीवी टीम को 21 में जीत मिली है। वहीं, आठ में हार मिली है और सभी हार विदेशों में मिली है।

आईसीसी ने इंग्लैंड पर लगाया जुर्माना, यह है वजह

लंदन । मेजबान इंग्लैंड पर न्यूज़ीलैंड के खिलाफ रविवार को लॉर्ड्स मैदान पर ड्रा समाप्त हुए पहले क्रिकेट टेस्ट में धीमे ओवर रेट के लिए मैच फीस के 40 फीसदी का जुर्माना लगाया गया है। मैच के पहले दिन 86 ओवर ही फेंके गए थे जबकि उपलब्ध आधे घंटे का इस्तेमाल किया गया था जिसका वर्षा प्रभावित इस मैच के शेष दिनों पर भी असर रहा। कप्तान जो रुट की टीम तमाम समय छूट पर विचार करने के बावजूद लक्ष्य से दो ओवर पीछे थी मैदानी अम्पायरों माइकल गॉफ और रिचर्ड इलिंगवर्थ तथा चौथे अम्पायर माइक बर्न्स ने आरोप लगाए जबकि मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने प्रतिबंध लगाए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने एक विज्ञप्ति में कहा की रुट ने प्रस्तावित प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत महसूस नहीं हुई।

मुख्य चयनकर्ता के तौर पर मैंने लेजेंड खिलाड़ियों के खिलाफ फैसले लिए थे : प्रसाद

मुंबई।

टीम इंडिया के पूर्व मुख्य चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भारतीय क्रिकेट के भविष्य को देखते हुए लेजेंड खिलाड़ियों के खिलाफ फैसले लिए थे। प्रसाद से यह पूछा गया कि क्या उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास लेने को लेकर निपटना पड़ा था। प्रसाद का कार्यकाल मार्च में खत्म हुआ था। प्रसाद ने कहा, चयनकर्ता के रूप में आपको भारतीय क्रिकेट के भविष्य को देखते हुए कुछ कड़े फैसले लेने होते हैं जिसमें लेजेंड खिलाड़ियों के खिलाफ भी जाना पड़ता है। उन्होंने कहा, सही उत्तराधिकारी की पहचान करना चयनकर्ता का मुख्य काम होता है। चयनकर्ता के तौर पर आपको निष्पक्ष होना पड़ता है और कड़े फैसले लेते वक्त भावनाओं पर काबू रखना होता है। धोनी और सचिन तेंदुलकर जैसा अन्य कोई नहीं हो सकता क्योंकि ये अलग खिलाड़ी हैं और इनके योगदान का कोई मूल्य नहीं है। प्रसाद ने कहा, आपको वो करना होता है जिसे करने के लिए बुलाया है। टीम के सात बड़े खिलाड़ी नहीं खेल रहे थे इसके बाद भी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर इंडिया ए के युवा खिलाड़ियों को इनकी जगह शामिल किया गया और टीम ने जीत हासिल की तो यह हमारी मेहनत की बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि उन्हें काफी खुशी है कि भारतीय टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई है। प्रसाद ने कहा, आपको इस बात से कितनी खुशी और संतुष्टि मिली है इसमें कई दो राय नहीं है। चयन के तौर पर हमने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जगह बना पाई उसमें हमने अपना छोटा सा योगदान दिया। यह टीम इसकी हकदार थी क्योंकि टीम इंडिया पिछले चार साल से नंबर एक टेस्ट टीम है। मैं अब फाइनल मुकाबला देखने का इंतजार नहीं कर पा रहा हूं।

इंग्लैंड पर धीमी ओवर गति के लिए लगा 40 फीसदी जुर्माना

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम पर न्यूजीलैंड के खिलाफ यहां लॉर्ड्स मैदान पर खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 40 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने जोए रूट की टीम को निर्धारित समय पर दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया। आईसीसी ने बयान जारी कर कहा, आईसीसी की अचार संहिता की धारा 2.22 के तहत निर्धारित समय तक प्रति ओवर कम फेंकने पर 20 फीसदी का जुर्माना लगाया जाता है। उन्होंने कहा, रूट ने आरोपों और जुर्माने को स्वीकार्य किया जिसके कारण इस मामले पर आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर माइकल गॉफ और रिचर्ड केटलबोरो, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर माइक बर्न्स ने आरोप लगाए थे। न्यूजीलैंड ने पहले टेस्ट मैच में इंग्लैंड को 273 रनों का लक्ष्य दिया था लेकिन अंतिम दिन का खेल खत्म होने तक इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में तीन विकेट पर 170 रन ही बना सकी थी और मुकाबला ड्रॉ पर समाप्त हुआ था।

माँ के व्यवहार पर निर्भर है
शिशु का तेज दिमाग

नई बनी मां कृपया ध्यान दें। क्या आप अपने लाड़ले से सकारात्मक सहयोग रखती हैं। यदि नहीं तो आज से अपने बच्चे के प्रति आप सहयोग की भावना रखें। ऐसा करने से आपके लाड़ले का दिमाग तेज रहेगा और जीवन भर तनाव से भी दूर रहेगा। यह बात हम नहीं बल्कि एक ताजा अध्ययन में कही गई है। वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए अध्ययन के मुताबिक जो महिलाएं अपने नवजात बच्चे के प्रति ज्यादा शिष्ट रहती हैं उनके बच्चों के दिमाग के हिप्पोकेंपस क्षेत्र में ज्यादा नर्व कोशिकाएं बनती हैं जिससे बच्चे का दिमाग तेज होता है। हिप्पोकेंपस का सीधा संबंध याददाश्त और भावना से होता है। हालांकि इस अध्ययन में यह साबित नहीं हो सका कि मां के व्यवहार से बच्चे का ब्रेन साइज बाद में बड़ा होता है लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि मां का बच्चे के प्रति सकारात्मक व्यवहार ब्रेन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शोधकर्ताओं ने 92 बच्चों पर प्री-स्कूल से लेकर ग्रेड स्कूल तक अध्ययन किया। अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बच्चों पर माता-पिता के सहयोग के स्तर का विश्लेषण किया। इसमें 7 से 13 साल तक के बच्चों को शामिल किया गया था। बच्चों को एक टास्क पूरा करने के लिए कहा गया। बच्चों के माता-पिता को इस अध्ययन के बारे में नहीं बताया गया था। इसके बाद बच्चों का ब्रेन स्कैन किया गया। अध्ययन में देखा गया कि जिन बच्चों के माता-पिता ने ज्यादा सहयोगात्मक दृष्टिकोण रखा उनमें तनाव का स्तर एकदम कम था। इसके अलावा इन बच्चों में हिप्पोकेंपस भी बड़ा देखा गया। अध्ययन में हालांकि यह भी देखा गया कि जिन बच्चों में पहले से तनाव के संकेत थे उनमें माता-पिता के इस सहयोग का ज्यादा असर नहीं पड़ा। प्रमुख शोधकर्ता प्रोफेसर जॉन लुबी के अनुसार इस असर का महत्व यह है कि ब्रेन के हिप्पोकेंपस में याददाश्त, भावनाओं का नियमन और तनाव का स्तर जुड़ा होता है। इसमें स्वस्थ सामाजिक मेलजोल की कुंजी छुपी है। उन्होंने कहा कि इस अध्ययन से शुरुआती माता-पिता के व्यवहार को सहयोगात्मक बनाने में मदद मिलेगी।

नोज पिन सौंदर्य में लगाए
चार चांद

समय बदलता है तो उसके साथ ही फैशन भी बदलता है जो हमेशा कुछ नया लिए होता है। चाहे ड्रेसेज हों या ज्वैलरी, आए दिन इनमें कुछ नए ट्रेंड मिलते ही हैं। इस नएपन की चाल में हमारी बॉलीवुड एक्ट्रेसेज का बडा योगदान रहता है और वे जो कुछ भी नई चीज ट्राई करती हैं वही उस समय का फैशन बन जाता है। नोज पिन- हिंदी में इसे नथ कहते हैं व इसे पहनने की प्रथा बहुत पुरानी है। शादी में तो नथ को ही स्पेशल माना जाता है। फिर वह साइज में बड़ी हो या छोटी, पहननी ही पड़ती है। मुस्लिमों में तो लड़के वालों की तरफ से लड़की को गहने और कपड़ों के साथ नथ भी भेजी जाती है व लड़की जब नथ पहन लेती है तभी निकाह होता है। नोज पिन की वैराइटी नोज पिन कई वैराइटी में आने लगी हैं। ये आपको राउंड शेप में मिल सकती हैं, घुंघरू लगी नथ,नगों की लड़ी से सजी नथ, मल्टीकलर में स्टार शेप की नथ, अर्द्ध चंद्राकार नथ, बतख या रोज की आकृति की नथ, थ्री स्टोन नथ आदि-आदि कई आकार व प्रकार में सुलभ हो सकती हैं। इन नोज पिन को आज फैशन वर्ल्ड में एक अलग पहचान मिल रही है और मिले भी क्यों नहीं, इसे पहनने के बाद गर्ल्स हों या शादीशुदा महिलाएं, खुद को सेलिब्रिटी सा महसूस करती हैं। चाहे कोई लड़की कॉलेज जा रही हो या कोई विवाहिता किसी शादी या पार्टी में जा रही हो, चाहे उसने साड़ी पहनी हो या शलवार-कमीज या लहंगा-चोली, नोज पिन उनके सौंदर्य में चार चांद लगा देती है। लड़कियों में तो नोज पिन का केज बढ़ता ही जा रहा है। लाभ भी हैं नोज पिन के इसे पहनने से जुकाम या नाक संबंधी रोग कम ही होते हैं। नोज पिन से सूंघने की शक्ति तेज होती हैं। अक्सर पानी में काम करने वाली भी इसे आराम से पहन सकती हैं, उन्हें कफ आदि विकार कम होंगे।

फैशन में इन पेंसिल स्कर्ट और
न्यूड शूज

स्मार्ट और ट्रेंडी लुक के साथ ही पेंसिल स्कर्ट आपको एलीगेंट लुक भी देती है। चाहे सिंपल सफेद शिफॉन शर्ट के साथ पहनें या फिर प्रिंटेड टीशर्ट के साथ, यह स्कर्ट हर तरह से फबती है। इसे मुख्य तौर पर नी लेंथ तथा बैक स्लिट के साथ पहना जाता है। वैसे सामान्यतः पेंसिल स्कर्ट का उपयोग छरहरी काया वाली युवतियां ही ज्यादा करती हैं, लेकिन नी लेंथ वाली थोड़ी लूज फिटिंग की पेंसिल स्कर्ट ब्रॉड फेम वालों पर भी बेहद जंचती है। नी लेंथ वाली पेंसिल स्कर्ट को आप पार्टीज या ऑफिस कहीं भी पहन सकती हैं।

कॉर्पोरेट ड्रेसिंग के तौर पर तो इसका प्रयोग बहुत आम है, वहीं फ्लाइट अटेंडेंट्स तथा हॉस्पिटलिटी जैसे प्रोफेशन से जुड़ी युवतियों के ड्रेस कोड में भी यह अक्सर शामिल होती है।

ऑफिस वेयर के हिसाब से जहां प्लेन पेंसिल स्कर्ट अच्छी लगती है, वहीं कैजुअल ड्रेस के तौर पर प्रिंटेड, स्ट्राइप्स वाली तथा कलरफुल स्कर्ट्स का उपयोग सहजता से किया जा सकता है। इसका मोटा फैब्रिक तथा फिटिंग आपको कॉन्फिडेंट बनाती हैं और स्मार्ट लुक देती हैं।

न्यूड शेड्स वे सारे शेड्स हैं, जो बेहद सादे और आपकी त्वचा की रंगत से मेल खाते हों। इनमें खाकी, ब्राउन, बैज आदि शामिल हो सकते हैं। साथ ही आजकल सिल्वर, मैटेलिक, ग्रे आदि रंगों को भी इनमें मिक्स करके एक नया इफेक्ट पैदा किया जाता है।

न्यूड शेड फुटवेयर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह के और किसी भी कलर-शेड के परिधान के साथ मैच किया जा सकता है। ये सलवार सूट के साथ भी उतने ही सुंदर दिखते हैं, जितने कि जींस या फिर शॉर्ट ड्रेस के साथ। यही नहीं इन्हें आप प्लेन या प्रिंटेड, किसी भी तरह के फैब्रिक के साथ पहन सकती हैं। यानी ये हर तरह से काम आते हैं।

अगर आपके कलेक्शन में एक पेयर न्यूड फुटवेयर का है तो आप इन्हें कई तरह से इस्तेमाल कर सकती हैं। न्यूड शेड में हाई हील सैंडल्स, शूज, बैलेरीना, फ्लैट्स या प्लेटफॉर्म कोई भी स्टाइल पैरों पर अच्छी लगती है। इन फुटवेयर्स का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इनमें आपके पैर लंबे दिखाई देते हैं।

यही नहीं तीखे कलर वाले नेलपेंट के साथ यह और भी खूबसूरत दिखाई देते हैं। आजकल न्यूड के साथ रेड, ऑरेंज, गोल्ड तथा ऐसे ही भड़कीले रंगों का हल्का-सा टच देकर भी फुटवेयर बनाए जा रहे हैं, जो बेहद सुंदर दिखाई देते हैं।

नए और हॉट ट्रेंड के हिसाब से युवतियों की खास पसंद बन चुकी पेंसिल स्कर्ट अब पार्टीज से लेकर कॉलेज तक में दिखाई देने लगी है। वहीं न्यूड शेड के फुटवेयर का क्रेज तो सभी महिलाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। सेलिब्रिटीज भी आजकल इस ट्रेंड पर मोहित नजर आ रही हैं।

स्प्रिंग सीजन में
स्किन ब्यूटी

चंदन पीसकर उसमें कुछ बूंदें गुलाब जल मिलाकर लगाने से त्वचा को ठंडक पहुंचती है

- त्वचा यदि धूप के कारण झुलस गई हो तो खीरा, टमाटर तथा नींबू के रस को समान मात्रा में मिलाकर लेप करें तथा सूखने पर पुनः लगाएं, फिर धो डालें।
- प्रतिदिन नहाने से पहले शरीर के खुले हिस्सों पर दही लगाएं और 10 मिनट तक छोड़ दें और इसके बाद नहाएं।
- जैतून का तेल तथा सिरका बराबर मात्रा में लेकर उन्हें मिलाकर, नहाने के एक घंटे पहले शरीर पर लगाने से त्वचा कांतिमय हो जाएगी।
- एक छोटे खीरे का रस, आधा चम्मच ग्लिसरीन व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से त्वचा नर्म पड़ जाती है।
- यदि तेज धूप से आपकी चमड़ी का रंग सांवला हो गया है तो कच्चे टमाटर को कुचलकर छाछ मिलाकर चेहरे और चमड़ी पर मलने से त्वचा को ठंडक मिलेगी।
- अलसी का तेल व नींबू का रस बराबर मात्रा में मिलाकर झुलसी त्वचा पर लगाने से काफी फायदा होता है।
- चिरौंजी कच्चे दूध में पीसकर मलाई एवं नींबू का रस मिलाकर चेहरे तथा बदन में लगाना गर्मियों में बहुत लाभदायक होता है।
- एक चम्मच मक्खन और एक चम्मच पानी मिलाकर फेंट लें। धूप से झुलसी त्वचा पर लगाएं राहत मिलेगी।
- 1/2 चम्मच बेसन में 2 चम्मच नींबू का रस व दही मिलाकर चेहरे, गर्दन व बाहों पर लगाएं, 20 मिनट बाद धो लें। गर्मी से राहत मिलेगी।
- एक चम्मच बेसन, एक चुटकी हल्दी, एक चम्मच कच्चा दूध व एक चम्मच गुलाब जल मिलाकर नियमित रूप से लगाने से त्वचा में निखार आता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

पाकिस्तान रेल हादसा अपडेट : कम से कम 36 की मौत; 13 से 14 बोगियां पटरी से उतरी

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सोमवार सुबह दो यात्री रेलगाड़ियों के बीच टक्कर होने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया कि कराची से सरगोधा जा रही 'मिल्लत एक्सप्रेस' पटरी से उतर गई और सामने वाली पटरियों पर गिर गई जिससे रावलपिंडी से कराची आ रही 'सर सैयद एक्सप्रेस' उससे टकरा गई। टक्कर के कारण मिल्लत एक्सप्रेस की बोगियां पलट गईं। यह हादसा सिंध के घोटकी जिले के ढरकी शहर के निकट हुआ। ट्रेन दुर्घटना के बाद घोटकी, ढरकी, ओबारो और मीरपुर माथेलो के अस्पतालों में आपात स्थिति की घोषणा कर दी गई। 'दि एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर के अनुसार हादसे में कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए।

प्रिंस हैरी और मेघन ने बच्ची के जन्म की घोषणा की, महारानी खुश हुईं

लंदन। ब्रिटेन के शाही परिवार ने प्रिंस हैरी और मेघन की बेटी लिली के जन्म की खबर पर खुशी जताई है। बकिंघम पैलेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, प्रिंस चार्ल्स और कैमिला और प्रिंस विलियम और केट को जन्म के बारे में सूचित कर दिया गया है और वे खुश हैं। डीपीए समाचार एजेंसी ने बताया कि हैरी और मेघन के प्रेस सचिव और फाउंडेशन ने रविवार को पहले घोषणा की कि डचेस ऑफ ससेक्स ने शुक्रवार को कैलिफोर्निया में अपने दूसरे बच्चे, लिलिबेट लिली डायना माउंटबेटन-विंडसर को जन्म दिया। लिली का नाम उनकी परदादी के नाम पर रखा गया है, जिनके परिवार का उपनाम लिलिबेट है, जबकि उनका मध्य नाम हैरी की मां डायना, वेल्स की दिवंगत राजकुमारी डायना का है। डायना की एक कार दुर्घटना में मौत हो गई जब हैरी 12 वर्ष के थे। हैरी और मेघन ने कहा, वह हमारी कल्पना से कहीं अधिक है और हम दुनिया भर से मिले प्यार और प्रार्थनाओं के लिए आभारी हैं। लिलिबेट रानी की 11वीं परपोती हैं।

कोरोना महमारी के बावजूद चीन की इकॉनमी जबरदस्त, निर्यात में हुई 28 प्रतिशत की वृद्धि

बीजिंग। अमेरिका और अन्य बाजारों की मांग सुधरने से मई में चीन के निर्यात में करीब 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वही इस दौरान उसका आयात 51 प्रतिशत बढ़ गया। दुनिया के विभिन्न देश अब कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव से उबर रहे हैं। इस पुनरुद्धार की अगुवाई चीन कर रहा है। जिन देशों में टीकाकरण अधिक तेजी से हो रहा है, वहां के हालात अधिक तेजी से सुधर रहे हैं। चीन के सीमा शुल्क विभाग के सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार इस साल के पहले पांच माह में निर्यात 40 प्रतिशत बढ़ा है। 2019 में समान अवधि में निर्यात 29 प्रतिशत बढ़ा था।

इजराइल अंतरिक्ष एजेंसी के पूर्व प्रमुख की मौत, सांप्रदायिक दंगों में हुए थे घायल

यरूशलम। इजराइल में हाल ही में हुए सांप्रदायिक दंगों में गंभीर रूप से घायल हुए, देश की अंतरिक्ष एजेंसी के पूर्व प्रमुख की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एवि हर इवन (84) अकरे शहर के एक होटल में रह रहे थे तभी पिछले माह दंगाईयों की भीड़ ने होटल में आग लगा दी थी। आगजनी की इस घटना में हर इवन बुरी तरह से झुलस गए थे और धुंआ सांस के जरिए शरीर के अंदर जाने से उनकी तबीयत खराब हो गई थी। हाइफा के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। इसी अस्पताल ने बताया कि इवन ने रविवार की देर रात अंतिम सांस ली। उनके परिवार ने एक बयान में कहा कि हर इवन ने 1995 से 2004 तक देश की अंतरिक्ष एंजेसी के प्रमुख का जिम्मा संभालने से पहले इजराइल के एअरोस्पेस क्षेत्र में कई अहम पदों पर अपनी सेवाएं दी थीं।उन्होंने बाद में इजराइल के बार इलान विश्वविद्यालय के ' बेगिन-सादत सेंटर फॉर स्ट्रैटजिक स्टडीज़' में शोधकर्ता के तौर पर काम किया था।

इजराइल द्वारा हिरासत में लिए गए दो कार्यकर्ता रिहा, यहूदी अधिकारियों का किया था विरोध

यरूशलम। इज़राइल पुलिस ने रविवार को शेख जर्राह में, एक प्रतिष्ठित परिवार से संबद्धदो कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था, हालांकि बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया। मुना और मोहम्मद अल-खुर्द (23) जुड़वा भाई-बहन हैं। उन्होंने इलाके में रह रहे दर्जनों फलस्तीनी परिवारों को बेदखल करने के यहूदी अधिकारियों के प्रयास के विरोध का नेतृत्व किया था। 23 वर्षीय मुना अल-खुर्द को पुलिस ने उसके घर से हिरासत में लिया था। उसके भाई मोहम्मद अल-खुर्द की भी तलाश की गई लेकिन वह घर पर नहीं था। बाद में वह स्वयं यरुशलम पुलिस के पास पहुंच गया। उनके वकील नासेर ओदेह ने संवाददाताओं को बताया कि उनके मुवक्किलों पर दंगों में शामिल होने और जन सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप है। रविवार को पुलिस थाने के बाहर भीड़ एकत्र हो गई और पुलिस कर्मियों के साथ उनकी झड़प हुई। शाम को मुना को और रात को उसके भाई को रिहा कर दिया गया।इससे पहले, अल ज़जीरा सैटेलाइट चैनल की एक वरिष्ठ संवाददाता को उस वक्त हिरासत में ले लिया गया, जब वह यरूशलम से 'रिपोर्टिंग' कर रही थी।

आसियान देशों के मंत्रियों की बैठक की मेजबान करेगा चीन, टीका पासपोर्ट के मुद्दे पर होगी चर्चा

बीजिंग। (एजेंसी)।

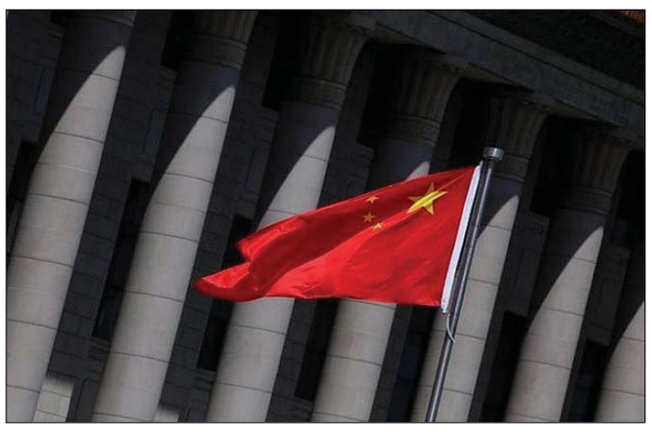

चीन इस सप्ताह दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन कर रहा हैं। क्षेत्र में वर्चस्व बढ़ाने के लिए चीन और अमेरिका में जारी होड़ के बीच यह बैठक हो रही है। चीन के सरकारी मीडिया ने कहा कि दक्षिण पश्चिम शहर चोंगछिंग में मंगलवार को बैठक में कोविड-19 के कारण प्रभावित पर्यटन एवं अन्य आर्थिक आदान-प्रदान को बहाल करने और महामारी से जंग में और अधिक समन्वित प्रयास एवं लोगों के बीच मुक्त यातायात की अनुमति के लिए सरल एवं व्यवहारिक टीका पासपोर्ट के मुद्दे पर चर्चा होगी।

चीन के विदेश मंत्री वांग यी के भी बैठक से इतर इसमें हिस्सा लेने वाले देशों के अपने समकक्षों से अलग से बात करने की संभावना है। चीन दक्षिण चीन सागर में कुछ देशों के साथ विवाद के बावजूद इन 10 देशों के दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों के संगठन (आसियान) के जरिये वर्चस्व बढ़ाना चाहता है। फिलीपीन ने दक्षिण चीन सागर में अपने दावे वाले एक क्षेत्र पर चीनी नौका की मौजूदगी को लेकर बार-बार शिकायत की है और मलेशिया ने पिछले सप्ताह उसके हवाईक्षेत्र में 16 चीनी सैन्य विमानों की घुसपैठ पर विरोध जताया तथा इस घटना को ''राष्ट्रीय सम्प्रभुता एवं हवाई सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा'' बताया। चीनी आर्थिक एवं कूटनीतिक पहलों से ऐसी चिंताओं को दूर करने में मदद मिली।

हालांकि क्षेत्र के देश चीनी सहयोगियों के भीतर मुख्य रूप से कंबोडिया से विरोध का सामना करने में एकमत नहीं बना पाये हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने रविवार को बैठक की घोषणा करते हुए कहा, ''पिछले तीन दशक में चीन-आसियान सहयोग एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग का सबसे सफल उदाहरण बनकर उभरा है।'' कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन के साथ मंगलवार को बैठक में अमेरिका के उप विदेश मंत्री वेंडी शरमन ने रीम नौसेना अड्डे पर चीन के नये निर्माण को लेकर चिंता जतायी और कंबोडियाई नेतृत्व से एक स्वतंत्र एवं संतुलित विदेश नीति बनाये रखने का अनुरोध किया जो कंबोडियाई लोगों के हित में हो।

आतंकवाद से लड़ने के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ काम कर रहा है इराक

बगदाद। (एजेंसी)।

इराकी राष्ट्रपति बरहम सालिह ने कहा कि आतंकवाद और हिंसा को आम वैश्विक चुनौतियों के रूप में सामना करके क्षेत्र को स्थिर करने के लिए देश अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम कर रहा है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने प्रेसीडेंसी के मीडिया कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के हवाले से कहा कि सालिह ने रविवार को डेनमार्क के विदेश मंत्री जेप्पे कोफोड के साथ मुलाकात के दौरान यह टिप्पणी की। डेनमार्क के विदेश मंत्री द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और आतंकवाद से निपटने के अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर चर्चा के लिए बगदाद का दौरा कर रहे हैं। बयान में कहा गया है, इराक अंतर्राष्ट्रीय समुदाय में अपने भाइयों और दोस्तों के साथ काम कर रहा है जिससे तनाव कम किया जा सके और क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाने के लिए संकट कम किया जा सके।

कोफोड ने इस्लामिक स्टेट आतंकी समूह का मुकाबला करने, सुरक्षा संस्थानों के निर्माण, विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने और कोविड -19 महामारी से निपटने में द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी से भी मुलाकात की। अल-कदीमी ने कहा, इराक आगामी चुनावी प्रक्रिया की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति में डेनिश और यूरोपीय भूमिका का इंतजार कर रहा है। कोफोड, जिसका देश इराक में नाटो मिशन की कमान संभाल रहा है, उसने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में इराक का समर्थन करने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इराक में नाटो मिशन 2018 में एक सलाहकार, प्रशिक्षण और गैर-लड़ाकू मिशन के रूप में स्थापित किया गया था जो घरेलू बलों को आतंकवाद से लड़ने में सक्षम बनाने के लिए प्रभावी सुरक्षा संस्थानों और सशस्त्र बलों के निर्माण में देश की सहायता करता है।

जनता समाजवादी पार्टी से हाथ मिला कर नेपाल के पीएम ओली ने मजबूत की अपनी पकड़

काठमांडू। (एजेंसी)।

मुश्किलों में घिरे नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने एक प्रमुख कैबिनेट फेरबदल के बाद मधेसी जनता समाजवादी पार्टी के साथ हाथ मिलाया है। इस कदम को कई विश्लेषकों द्वारा 'एक तीर से दो निशाने' लगाने के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि इस कदम से उनका लक्ष्य सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करना और पड़ोसी देश भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाना शामिल हैं। प्रतिनिधि सभा को भंग करने के अपने कदम के खिलाफ ओली अपनी ही पार्टी के भीतर विरोध का सामना कर रहे हैं।

ओली ने शुक्रवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल किया और उप प्रधानमंत्री ईश्वर पोखरेल और विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली सहित कुछ प्रमुख मंत्रियों को हटा दिया। ओली ने मधेसी दल जनता समाजवादी पार्टी से आठ मंत्रियों और दो राज्य मंत्रियों को शामिल किया है। राजेंद्र महतो को उप प्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री बनाया गया है, जबकि सत्तारूढ़ सीपीएन-यूएमएल से रघुबीर महासेठ को एक अन्य उप प्रधानमंत्री बनाया गया और साथ ही उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया है। तीसरे उप प्रधानमंत्री यूएमएल से बिष्णु पौडयाल हैं, जिन्हें वित्त मंत्रालय का प्रभार भी दिया गया है। नेपाल में मधेसी दल मधेसियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करते हैं। मधेसी लोग मुख्यतः तराई क्षेत्र के निवासी हैं। इस समुदाय के भारत के साथ मजबूत सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। हालांकि, विपक्ष और विशेषज्ञों ने उनके इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह संवैधानिक मानदंडों के खिलाफ है क्योंकि संसद पहले ही भंग कर दी गई थी और चुनाव की तारीख 12 और 19 नवंबर तय की गई है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल- एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) की स्थायी समिति के सदस्य महासेठ को न केवल विदेश मंत्री बनाया गया है बल्कि वह तीन उपप्रधानमंत्रियों में से भी एक है। यूएमएल के विदेश संबंध विभाग के उप प्रमुख विष्णु रिजाल के हवाले से 'द काठमांडू पोस्ट' ने एक खबर में बताया, ''नेपाल में, विशेषज्ञता, योग्यता और पूर्व कार्य अनुभव के आधार पर मंत्रियों को चुनने की हमारी परंपरा नहीं है।'' नेपाल की राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने 22 मई को संसद भंग कर दी थी और 12 तथा 19 नवंबर को मध्यावधि चुनाव कराने की घोषणा की थी। राष्ट्रपति भंडारी ने प्रधानमंत्री ओली और विपक्षी गठबंधन द्वारा नई सरकार बनाने के दावों को खारिज कर दिया था और कहा था कि ये ''दावे अपर्याप्त'' हैं।

इस अंतरराष्ट्रीय संधि से बाहर हो जाएगा रूस, पुतिन ने विधेयक पर किए हस्ताक्षर

मास्को। (एजेंसी)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सोमवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए जिससे रूस सैन्य प्रतिष्ठानों के ऊपर निगरानी उड़ानों की अनुमति देने वाली अंतरराष्ट्रीय संधि से बाहर हो सकेगा। अमेरिका इस संधि से पहले ही अलग हो चुका है। अमेरिकी अधिकारियों ने पिछले महीने रूस से कहा था कि राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ''ओपन स्काई ट्रिटी'' में फिर से शामिल नहीं होने का फैसला किया है। इसके बाद रूसी सांसदों ने विधेयक का समर्थन किया। अमेरिका, पूर्ववर्ती राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में इस संधि से अलग हो गया था।

उल्लेखनीय है कि 16 जून को जिनेवा में पुतिन और बाइडन के बीच शिखर वार्ता होनी है। ''ओपन स्काई ट्रिटी'' का मकसद रूस और पश्चिमी देशों के बीच विश्वास स्थापित करना था। इस संधि के तहत तीन दर्जन से अधिक देश सेना की तैनाती और अन्य सैन्य गतिविधियों की निगरानी के लिए एक-दूसरे के क्षेत्रों में निगरानी उड़ानों का संचालन कर सकते थे। यह संधि 2002 में प्रभावी हुयी और इसके तहत 1,500 से अधिक उड़ानें संचालित की गई जिनसे पारदर्शिता को बढ़ावा मिलने के साथ ही हथियार नियंत्रण समझौतों की निगरानी में भी मदद मिली। ट्रंप प्रशासन पिछले साल इस समझौते से बाहर हो गया था और उसका कहना था कि रूसी उल्लंघन को देखते हुए अमेरिका के लिए एक पक्ष बने रहना असंभव हो गया है। अमेरिका ने नवंबर में संधि से अपनी वापसी पूरी कर ली। रूस ने किसी भी उल्लंघन को खारिज कर दिया है। रूस की दलील है कि उसने अतीत में कुछ प्रतिबंध लगाए थे जो संधि के तहत मान्य थे। इसके साथ ही रूस का आरोप था कि अमेरिका ने अलास्का में निगरानी उड़ानों पर अधिक व्यापक प्रतिबंध लगा दिया।

नासा 2024 में चांद पर भेजेगा इंसान, मिशन की देखरेख कर रहीं सुभाषिनी अय्यर

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

भारत में जन्मी सुभाषिनी अय्यर नासा की महत्वपूर्ण परियोजना आर्टेमिस के रॉकेट के मुख्य चरण की देखरेख कर रही हैं, जो एक अंतरिक्ष यान को गहरे अंतरिक्ष में भेजने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोयंबटूर में पैदा हुई अय्यर करीब दो साल से स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) से जुड़ी हुई हैं।

अय्यर, जो 1992 में अपने कॉलेज, वीएलबी जानकीअम्मल कॉलेज में मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पहली महिला ग्रेजुएट में से एक थीं, ने टीओआई को बताया कि, इंसानों के आखिरी बार चांद पर कदम रखने के 50 साल बाद संगठन इंसानों को चांद पर और उससे आगे ले जाने के लिए बिल्कुल तैयार है। बता दें कि अय्यर आर्टेमिस पर काम कर रही हैं जोकि अंतरिक्ष यान, ओरियन को अंतरिक्ष में ले जाएगा, जिसको स्पेस लॉन्च सिस्टम (स्स्) कहते है। इस स्स् का चरण अप्रैल के अंत में फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर में पहुंच चुका है। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक एक साक्षात्कार में, अय्यर ने कहा कि एसएलएस दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है और रॉकेट के मुख्य चरण के निर्माण के लिए जिम्मेदार है जिसमें प्रणोदन और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक,इस रॉकेट को लगभग 500 सेकंड के लिए संचालित करने और टूटने से पहले 530,000 फीट की ऊंचाई तक पहुंचने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें अय्यर का रोल किसी भी पोस्ट-प्रोडक्शन समर्थन की देखरेख करना शामिल है, जिसे नासा को कोर स्टेज के निर्माण और संगठन को सौंपने के बाद होता है।

बता दें कि नासा ने दो मिशन की घोषणा की है, जिसमें चांद की सतह को समझा जाएगा। जिस परियोजना में अय्यर काम कर रही है वह इसी मिशन का हिस्सा है। इस मिशन में उड़ान भरने वाली रॉकेट बिना किसी क्रू के होगी जोकि सीधा जो एसएलएस रॉकेट और ओरियन स्पेसक्राफ्ट को चांद तक ले जाएगी। इस मिशन के तहत एसएलएस रॉकेट और ओरियन स्पेसक्राफ्ट अंतरिक्ष यात्रियों को चांद तक लेकर जाएगी। इसमें चांद की सतह पर खोज और टेक्नोलॉजी का परिक्षण करेगी।

डोनाल्ड ट्रंप की इस मांग को चीन ने ठुकराया, अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति ने कोरोना को बताया था वुहान वायरस

बीजिंग। चीन ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस मांग को सोमवार को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कोविड-19 के कारण हुई मौतों और विनाश के लिए अमेरिका और दुनिया को हर्जाने के रूप में 10 ट्रिलियन डॉलर (10 खरब डॉलर) का भुगतान करने के लिए कहा था। चीन ने कहा कि जवाबदेही उन राजनीतिज्ञों की है जिन्होंने लोगों के जीवन और स्वास्थ्य की अनदेखी की। उत्तरी कैरोलाइना में शनिवार को रिपब्लिकन पार्टी के एक सम्मेलन में ट्रंप ने कहा था कि चीन को भारी मुआवजा देना चाहिए। ट्रंप कोविड-19 को ''चीन वायरस'' और ''वुहान वायरस'' बताते आये हैं। ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां पत्रकार सम्मेलन में कहा कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान 24 मिलियन (2.4 करोड़) से अधिक कोविड-19 मामले थे और मरने वालों की संख्या 410,000 से अधिक थी। वांग ने कहा, ''ट्रंप ने बार-बार तथ्यों की अनदेखी की और महामारी से निपटने में विफल रहने की अपनी जिम्मेदारियों से बचने और लोगों का ध्यान हटाने का प्रयास किया।'' उन्होंने कहा, ''हम मानते हैं कि अमेरिकी लोगों को सही समझ है कि किसे जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ये वे पाखंडी राजनीतिज्ञ हैं जिन्होंने लोगों के जीवन और स्वास्थ्य की अनदेखी की है और उन्हें जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।'' ट्रंप चीन पर कई बार यह आरोप लगा चुके है कि चीन अपने देश में वायरस को नियंत्रित करने में विफल रहा और इसके बाद यह पूरी दुनिया में फैल गया। हालांकि चीन इन आरोपों को लगातार खारिज करता आया है।

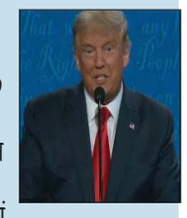

वैक्सीन को बढ़ावा देने के लिए डेटिंग ऐप्स भी करेगी मदद, प्रोफाइल पर अब दिखेंगे नए फीचर

लंदन। ब्रिटेन में टीकाकरण अभियान को बढ़ावा देने के लिए अब कई ऑनलाइन डेटिंग ऐप भी सहायता के लिए आगे आए हैं। इन ऐप के उपयोगकर्ता अपनी प्रोफाइल पर इस तरह के चिन्ह प्रदर्शित कर पाएंगे कि वे कोविड-19 का टीका लगवा चुके हैं अथवा सोमवार से शुरू हुए नए जागरूकता अभियान का समर्थन करते हैं। टिंडर, मैच, हिंज, बंबल, बडू,, प्लेंटी ऑफ फिश, आवर टाइम और मजमैच जैसे प्रमुख डेटिंग मंच ने अपने उपयोगकर्ताओं को कोविड-19 टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने को लेकर ब्रिटेन की सरकार से हाथ मिलाया है। ब्रिटेन ने टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए हर टीका हमें उम्मीद देता है नाम से अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान को समर्थन देने के लिए ऐसे मंच अपनी वेबसाइट और ऐप पर नयी सुविधाएं जोड़ेंगे ताकि युवा भी टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित हों क्योंकि आने वाले सप्ताह में कम आयु वर्ग के लोगों के टीकाकरण की शुरुआत की जाएगी। ब्रिटेन के टीका विकास मंत्री नदीम जहावी ने कहा, मैं देश में टीका लगवाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के वास्ते कई डेटिंग ऐप के साथ साझेदारी को लेकर उत्साहित हूं। यह हमारे टीकाकरण कार्यक्रम की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि है। डेटिंग ऐप द्वारा उपलब्ध कराए गए नए फीचर के जरिए उपयोगकर्ता खुद के टीका लगवाने की जानकारी साझा करने के साथ ही टीकाकरण अभियान को अपना समर्थन विभिन्न चिन्हों द्वारा दर्शा सकते हैं। साथ ही ऐसे ऐप टीका लगवाने वाले उपयोगकर्ता को अतिरिक्त फीचर भी उपलब्ध कराएंगे। ऐप के उपयोगकर्ता सरकार के नए अभियान के पोस्टर एवं विज्ञापन भी देख पाएंगे। ऑनलाइन डेटिंग एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी जॉर्ज किड ने कहा कि ब्रिटेन में करीब एक करोड़ लोग डेटिंग ऐप की सेवा का उपयोग करते हैं या वे कभी ना कभी इसका उपयोग कर चुके हैं।

वैश्विक महामारी से लड़ाई में भारत की मदद करना अमेरिका की जिम्मेदारी : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका में अनेक सांसद तथा गर्वनर ने बाइडेन प्रशासन से भारत को कोविड रोधी टीकों तथा चिकित्सीय सहायता की आपूर्ति सुनिश्चित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वहां पर संकट के कारण विनाशकारी हालात बने हुए हैं तथा इस वैश्विक महामारी से लड़ाई में अपने सहयोगियों की मदद करना अमेरिका की जिम्मेदारी है। भारत में रविवार को कोविड-19 के 1,14,460 नए मामले सामने आए जो 60 दिन की अवधि में सबसे कम संख्या है। इसके साथ ही दैनिक संक्रमण दर घटकर 5.62 प्रतिशत रह गई। संक्रमण के नए मामलों के साथ देश में महामारी के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 2,88,09,339 हो गई।

टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा, ''भारत में विनाशकारी संकट है और ऐसी स्थिति में बाइडन (अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन) से अधिक कार्रवाई की उम्मीद की जाती है। हमारे सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक सहयोगियों में से एक को इस वायरस से लड़ाई में कोविड-19 टीकों तथा चिकित्सा आपूर्ति के रूप में और मदद देने की जरूरत है।'' साथ ही एबॉट ने ट्वीट कर अमेरिकी नागरिकों से अपील की कि वे उनके साथ मिलकर भारत के लिए प्रार्थना करें। रिपब्लिक पार्टी से सीनेटर टेड क्रूज ने कहा, ''अमेरिका के लिए भारत एक महत्वपूर्ण मित्र है। बाइडन का टीका साझा करने संबंधी कार्यक्रम दोषपूर्ण है। हमें भारत जैसे हमारे सहयोगियों को प्राथमिकता देनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोविड रोधी टीके उन्हें मिलें, जिन्हें उनकी सख्त जरूरत है।'' सीनेट की आर्म्ड सर्विसेज कमेटी से संबद्ध सीनेटर रॉजर विकर ने कहा कि अमेरिका के लिए यह आवश्यक है कि वह कोरोना वायरस से निबटने में अन्य देशों की मदद करता रहे।

उन्होंने कहा, ''भारत जैसे करीबी सहयोगियों को अतिरिक्त टीके भेजना ही सही कदम है।'' सदन की विदेशी मामलों की समिति के सदस्य माइकल मैककॉल ने ट्वीट किया, ''अत्यंत आवश्यक टीकों और अन्य चिकित्सा आपूर्ति को भारत भेजा जाएगा और इस तरह लंबे समय से साझेदार रहे इस सहयोगी देश को मदद दी जाएगी। यह देखकर खुशी हुई।'' सदन की सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष एडम स्मिथ ने कहा, ''भारत तथा अन्य देशों में कोविड-19 का संकट विनाशकारी रहा है। वहां और टीके तथा चिकित्सा आपूर्ति भेजने की जरूरत अब भी बनी हुई है। कोविड को हराने के लिए हमें इस वायरस से अपने देश में तथा दुनियाभर में लड़ना होगा।''स्मिथ ने दूसरे देशों की मदद के लिए बाइडन प्रशासन की ओर से उठाए गए कदमों की सराहना भी की। भारतवंशी सांसद रो खन्ना ने कहा कि जिस तरह जरूरत के वक्त भारत ने अमेरिका की मदद की, उसी तरह अमेरिका को भी टीके भेजकर भारत की मदद करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सचिन क्षेत्र 09 साल बच्ची से छेड़छाड़ बना चर्चा का विषय

क्रांति समय दैनिक

सुरत सचिन क्षेत्र में श्रमजीवी परिवार के बच्ची से छेड़छाड़ करने पर सोसायटी के लोगों ने मारा और पुलिस के हवाले कर दिया. जिसके बाद में किस प्रकार की कार्यवाही किया गया उसके बारे में लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है, ? सूत्रों के अनुसार छेड़छाड़ करने वाले के परिजन घटना के बाद स्थान बदल दिया.घटना के बाद पहुचा विभाग के अधिकारी ने आरोपी को ले गई. बच्ची के परिजन मेडीकल कराने के बाद ही घटना की सच्चाई सामने आएगा.

घटना श्रमजीवी परिवार के साथ होने से कई तरह कई शंकाएँ लोगों में बनी हुआ हैं,बच्ची के माता कंपनी के मंजूरी कर अपना घर का परिवार चलती हैं. जिससे इस क्षेत्र में श्रमजीवी परिवार के बच्ची से छेड़छाड़ करने पर कार्यवाही करने पर ही सच्चाई सामने आएगा.

बिना पोस्टमॉर्टम के शव सौंपने पर विवाद

क्रांति समय दैनिक

सूरत सेंट्रल लाजपुर जेल से नए सिविल अस्पताल लाए गए कच्चे मजदूर कैदी की इलाज के दौरान मौत हो जाने से बिना पोस्टमॉर्टम के शव सौंपे जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है. परिवार का आरोप है कि बेटे के साथ कुछ अनहोनी हो गई। जबकि सिविल डॉक्टर ने मृतक कैदी को जमानत दे दी. और सिर्फ उसके परिवार वाले ही पोस्टमॉर्टम के लिए मना कर रहे हैं।

एसएमसी आवास निवासी स्पेश उर्फ शनि धर्मेंद्र दुबे (उम्र२१) की दो दिन पहले मौत हो गई थी । शराब के एक मामले में गिरफ्तार किया था. फिर उन्हें सेंट्रल जेल भेज दिया गया। इस बीच जेल में उनकी तबीयत बिगड़ गई।

उन्हें सिविल में भर्ती कराया गया था। फिर ता. ५ तारीख की दोपहर इलाज के दौरान स्पेश की मौत हो गई। सिविल के एमआईसीयू विभाग के डॉक्टरों ने मौत का कारण बताते हुए बिना पोस्टमार्टम कराए शव परिवार को सौंप दिया। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे मामलों में पोस्टमॉर्टम अनिवार्य है। लेकिन सिविल में जब लाश को पोस्टमॉर्टम किये बिना सौंपा जाता है, कुछ गलत हुआ हैं इस तरह कई आशंका परिवारजनों ने किया.

गुजरात पर दो सिस्टम सक्रिय, 11 जून तक राज्य के विभिन्न जिलों में बारिश की संभावना

क्रांति समय दैनिक

गुजरात पर एक साथ दो सिस्टम के सक्रिय होने से राज्य के अलग अलग जिलों में बारिश होने की संभावना मौसम विभाग ने व्यक्त की है। 8 जून को सूरत, भरुच, नवसारी, भावनगर, अमरेली और पोरबंदर में बारिश की संभावना है। 9 जून को सूरत, भरुच, वडोदरा, गिर सोमनाथ, जूनागढ़ और पोरबंदर में बारिश हो सकती है। 10 जून को खेडा, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, जूनागढ़, भावनगर और राजकोट में तथा 11 जून को खेडा, पंचमहल, दाहोद, महीसागर, जूनागढ़ और अमरेली में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के मुताबिक केरल

के बाद मान्सून धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है। आगामी दिनों में राज्य में प्रि मान्सून एक्टिव होनेसे बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक राज्य के ज्यादातर इलाकों में बारिश होने की संभावना है। बता दें कि दो दिन पहले राज्य के कई जिलों में बारिश हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 20 जून तक राज्य में मान्सून शुरू हो जाएगा और उससेपहले प्रि मान्सून एक्टिविटी के चलते राज्य के कई जिलों में हवा के साथ बारिश हो सकती है। सौराष्ट्र में तीन या दिन बारिश हो सकती है। जबकि उत्तरी गुजरात और दक्षिण गुजरात में आगामी 48 घंटों के दौरान बरसाती माहौल रहेगा। गांधीनगर, अहमदाबाद, महीसागर, सूरत, तापी और पंचमहल में बारिश होने की संभावना है।

कांग्रेस से पार्टी में आए नेताओं के स्वागत में भूले कोरोना नियम गुजरात के जुनागढ़ में बीजेपी के 6 नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया

क्रांति समय दैनिक

जूनागढ़,गुजरात में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। भारतीय जनता पार्टी और विपक्षी कांग्रेस अभी से तैयारी में जुट गई है। अभी से ही नेताओं का पाला बदलने का सिलसिला शुरू हो चुका है। हालांकि इस दौरान वे कोरोना नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। गुजरात के जुनागढ़ में बीजेपी के 6 नेताओं के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

पुलिस ने सोमवार को कहा कि गुजरात के जूनागढ़ जिले के मालिया हतिना शहर के छह भाजपा पदाधिकारियों पर कांग्रेस से जुड़े कुछ लोगों के स्वागत

के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में कोरोना मानदंडों का उल्लंघन के लिए मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने कहा कि 100 से अधिक पार्टी कार्यकर्ता कार्यक्रम के दौरान एक हॉल के अंदर जमा हो गए थे, जिनमें से अधिकांश बिना मास्क के थे। मालिया हतिना तालुका भाजपा महासचिव अनिरुद्ध डोडिया और पांच अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, कार्यक्रम बिना अनुमति के आयोजित किया गया था। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल नहीं रखा गया। इस तरह के आयोजन गुजरात में वर्तमान में कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण प्रतिबंधित हैं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आईपीसी, महामारी रोग अधिनियम, आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सार-समाचार

भाजपा के पूर्व विधायक कालूभाई चावडा का निधन, मुख्यमंत्री ने शोक व्यक्तकिया

अहमदाबाद,खंभालिया के पूर्व विधायक और देवभूमि द्वारका के पूर्व जिला प्रमुख कालूभाई चावडा के निधन से आहिर समाज समेत पार्टी कार्यकर्ताओं में शोक व्याप्त है। चावडा की कोरोना रिपोर्ट नेगेटिव आई थी। हांलाकि कमजोरी के कारण उनका अस्पताल में उपचार चल रहा था। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कालूभाई चावडा के निधन पर दुःख व्यक्त किया है। साथ ही उनके परिवार से बात कर उन्हें सांत्वना भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि द्वारका जिले में प्रथम पंक्तिके नेता और जनसंघ काल से भगवा को समर्पित भाजपा के नींव कार्यकर्ता कालूभाई चावडा के निधन से भाजपा के साथ ही आहिर समाज को अपूर्णीय क्षति हुई है। वर्ष 1998 और 2002 में खंभालिया से विधायक रहे कालूभाई चावडा तहसील पंचायत और मार्केट यार्ड के चेयरमैन भी रह चुके हैं। देवभूमि द्वारका जिला भाजपा प्रमुख रहे कालूभाई ने पार्टी के साथ ही आहिर समाज के नेता थे, जो समाज सेवा के हमेशा तत्पर रहते थे।

राज्य में होटल, रेस्टोरेंट, रिसॉर्ट और वाटर पार्क को एक वर्ष के लिए प्रॉपर्टी टैक्स से मुक्ति

बिजली बिल के फिक्स चार्ज से भी मिलेगी मुक्ति, वास्तविक खपत का भरना होगा बिल

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में स्थित होटल, रिसोर्ट्स, रेस्टोरेंट और वाटर पार्क को एक वर्ष के लिए संपत्ति कर (प्रॉपर्टी टैक्स) और बिजली बिल के फिक्स चार्ज से मुक्तिदेने का निर्णय किया है। निर्णय के अनुसार 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की अवधि के लिए होटल, रेस्टोरेंट, रिसोर्ट और वाटर पार्क को प्रॉपर्टी टैक्स भरने से मुक्ति दी गई है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को हुई कोर कमेटी की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि होटल, रिसोर्ट, रेस्टोरेंट और वाटर पार्क को बिजली बिल के फिक्स चार्ज से मुक्ति प्रदान की जाएगी और बिजली की वास्तविक खपत के जितना ही बिल का भुगतान करना होगा। कोरोना संक्रमण के इस दौर की विकट स्थिति को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री ने होटल, रिसोर्ट, रेस्टोरेंट और वाटर पार्क को इस निर्णय के जरिए बड़ी आर्थिक राहत दी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

केरल भाजपा अध्यक्ष की मुसीबत बढ़ी, कोर्ट ने चुनावी मामला दायर करने की अनुमति दी

तिरुवनंतपुरम। केरल के कासरगोड जिले की एक अदालत ने सोमवार को पुलिस को राज्य भाजपा प्रमुख के. सुरेंद्रन और पार्टी के दो अन्य नेताओं के खिलाफ एक शिकायत पर चुनाव कानूनों के तहत मामला दर्ज करने की अनुमति दी, जब एक उम्मीदवार ने आरोप लगाया कि उन्हें 6 अप्रैल की विधानसभा चुनाव में अपना नामांकन वापस लेने के लिए पैसे दिए गए थे। बसपा उम्मीदवार के. सुंदरा ने पिछले हफ्ते मीडिया के सामने स्वीकार किया कि उन्हें मंजेश्वरम सीट से चुनाव लड़ने के लिए 2.5 लाख रुपये और एक स्मार्टफोन दिया गया था। जहां से सुरेंद्रन चुनाव लड़ रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि सुरेंद्रन के जीतने पर उन्हें कर्नाटक में 15 लाख रुपये, एक घर और एक वाइन पार्लर की पेशकश की गई थी। जब 2 मई को वोटों की गिनती हुई, तो कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ उम्मीदवार ए.के.एम. अशरफ ने सुरेंद्रन को 745 मतों के अंतर से हराया। मंजेश्वरम से माकपा उम्मीदवार वी.वी. रामेसन, जो तीसरे स्थान पर रहे, शिकायतकर्ता हैं। कासरगोड के प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट ने सुरेंद्रन और दो अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने की अनुमति दी है। हालांकि, उसने फिलहाल किसी भी गिरफ्तारी से इनकार किया है। बसपा प्रत्याशी के खुलासे के बाद से सत्तारूढ़ माकपा के नेतृत्व वाला लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट हाथ में था, लेकिन सुरेंद्रन और उनकी पार्टी ने इस आरोप का तुरंत खंडन किया। 2016 के विधानसभा चुनावों में, सुरेंद्रन 89 मतों के मामूली अंतर से हार गए थे और उस चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले सुंदरा को 467 वोट मिले थे।

कांग्रेस ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर निशाना साधा

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पेट्रोल एवं डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर सोमवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'कर वसूली महामारी की लहरें' लगातार आती जा रही हैं। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''कई राज्यों में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू हो रही है। पेट्रोल पम्प पर बिल देते समय आपको मोदी सरकार द्वारा किया गया महंगाई में विकास दिखेगा। टैक्स वसूली महामारी की लहरें लगातार आती जा रही हैं।'' पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा, ''भयंकर जनलूट - पिछले 13 महीने में पेट्रोल 25.72 रुपये, डीज़ल 23.93 रुपये प्रति लीटर महंगा हुआ! कई राज्यों में 100 रुपये प्रति लीटर पार हुआ।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''पेट्रोल-डीज़ल में रिकॉर्ड तोड़ बढ़ोतरी के लिए कच्चे तेल की क़ीमतें नहीं, मोदी सरकार द्वारा बढ़ाए गए कर ज़िम्मेदार हैं।'' गौरतलब है कि वाहन ईंधन की कीमतों में रविवार को फिर वृद्धि हुई। इससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का दाम 95 रुपये प्रति लीटर के पार चला गया। वहीं डीजल पहली बार 86 रुपये प्रति लीटर को पार कर गया। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार पेट्रोल का दाम 21 पैसे प्रति लीटर और डीजल का 20 पैसे प्रति लीटर बढ़ाया गया है। वाहन ईंधन कीमतों में चार मई से 20 बार बढ़ोतरी हुई है। इससे देश के विभिन्न हिस्सों में अब पेट्रोल ऐतिहासिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है।

नोएडा में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने किया छह को गिरफ्तार

नोएडा। नोएडा में थाना दनकौर क्षेत्र के एक गांव में धार्मिक स्थल पर पथराव और तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस बारे में बताया। अपर पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) विशाल पांडे ने बताया कि गांव रामपुर माजरा में शनिवार रात कुछ लोगों ने एक धार्मिक स्थल को निशाना बनाकर तोड़फोड़ किया। घटना में कुछ लोगों को चोट आई थी। उन्होंने बताया कि मामले की जांच कर रही थाना दनकौर पुलिस ने सौरव, देव, राजू, सुनील, अमित सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान यह पता चला कि गांव की एक महिला और युवक के बीच पशुओं का चारा खरीदने को लेकर विवाद हुआ था जिसके बाद दोनों में मारपीट भी हुई।

मुंबई में दर्दनाक हादसा! बांद्रा में चार मंजिला इमारत की दीवार गिरी, एक की मौत कई घायल

मुंबई। मुंबई के उपनगर बांद्रा में चार मंजिला इमारत की दीवार ढहकर उससे सटे दो मंजिला मकान पर गिरने की घटना में 28 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गयी और एक महिला समेत चार लोग घायल हो गये। नगर निगम के एक अधिकारी ने इस बारे में बताया। अधिकारी ने बताया कि दमकल कर्मियों ने 11 लोगों को बचाया जबकि इलाके में रह रहे लोगों ने रात करीब डेढ़ बजे दीवार ढहने की घटना के तुरंत बाद छह लोगों की जान बचायी। उन्होंने बताया कि बचाये गये लोगों और घायलों को बांद्रा में भाभा अस्पताल और सांताक्रूज में वी एन देसाई अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि घायल सलमान खान (24), राहुल खोत (22), रोहन खोत (22) और लता खोत (48) की हालत स्थिर है। वहीं, रियाज अहमद (28) को अस्पताल लाने पर मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि यह इमारत बांद्रा (पूर्व) के खेरवड़ी रोड पर रज्जाक चॉल में स्थित है।

फंडिंग घोटाले को लेकर विधानसभा में विजयन और विपक्षी कांग्रेस के बीच हुई बहस

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल विधानसभा में सोमवार को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और नए विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन ने 6 अप्रैल को हुए विधानसभा चुनाव के दौरान कथित फंड घोटाले में राज्य के भाजपा नेताओं की कथित संलिप्तता पर आरोप लगाया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई उस समय दबाव में है, जब आरएसएस कार्यकर्ता धर्मराजन ने कोडकारा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि लोगों के एक समूह ने मतदान से कुछ दिन पहले 3 अप्रैल को उनकी कार को रोकने के बाद उन पर हमला किया और 25 लाख रुपये की राशि की लूटपाट की। पुलिस ने कई लोगों को गिरफ्तार किया और जांच के दौरान भाजपा की युवा शाखा के पूर्व कोषाध्यक्ष सुनील डी. नाइक का भी नाम सामने आया। नाइक प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन का करीबी सहयोगी हैं। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ में एक करोड़ रुपये से अधिक का खुलासा होने के बाद मामला चर्चा का प्रमुख विषय बन गया। पुलिस ने बीजेपी के प्रदेश महासचिव, संगठन और आरएसएस के वरिष्ठ नेता एम. गणेशन और पार्टी के राज्य कार्यालय सचिव जी. गिरीशन से पूछताछ की। सोमवार को विधानसभा में युवा कांग्रेस विधायक शफी परम्बिल ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए स्थगन प्रस्ताव के लिए लीव मांगी और विजयन सरकार को

चेतावनी दी कि ऐसा कुछ भी करने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए, जिससे उनके लिए यह कहने का रास्ता साफ हो जाए कि इसे छिपाने के लिए बीजेपी और माकपा के बीच एक गुप्त समझौता किया गया है। विजयन ने इसका जवाब देते हुए कहा कि कोडेकारा पुलिस स्टेशन ने इस बारे में मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू हो गई है और जांच सही दिशा में आगे बढ़ रही है। विजयन ने कहा कि अब तक, 96 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं और 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जो 3.5 करोड़ रुपये बरामद किए गए, उनमें से 1.1 करोड़ रुपये का सोना और मोबाइल बरामद किए गए हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने विवरण मांगा था और उन्हें विवरण दिया गया है और वे इसकी भी जांच कर रहे हैं। वहीं सतीसन ने कहा कि विजयन भाजपा या उसके किसी नेता का नाम बताने में विफल रहे। सतीसन ने कहा, यह घटना दो महीने पुरानी है और पुलिस का कहना है कि 9.50 करोड़ रुपये हवाला का पैसा आया था, जिसमें से छह करोड़ रुपये विभिन्न जिलों में दिए गए थे। इसमें एक आरएसएस नेता धर्मराजन और अन्य भाजपा नेताओं का नाम सामने आया है। लेकिन विजयन ने अभी तक इसके बारे में कुछ भी नहीं बताया है। भाजपा और माकपा के बीच मुद्दों को सुलझाने के लिए कोई कदम नहीं होना चाहिए। हम सभी जानते हैं कि सात विधानसभा सीटों पर भाजपा और सीपीआई एम के बीच एक गुप्त चुनावी समझौता हुआ था। उनके पास कुछ चीजों को साबित करने के लिए रिकॉर्ड हैं। इसके बाद विजयन उठे और अतीत में विस्तृत प्रकरणों का विवरण दिया जहां कांग्रेस और भाजपा मामलों को वापस लेने के लिए आमने सामने थे। विजयन ने कहा कि अभी कुछ समय पहले कांग्रेस द्वारा इस मुद्दे को उठाने के बाद ईडी इतनी तेजी से आया (पिछले साल दर्ज किए गए सोने और डॉलर की तस्करी के मामलों का जिक्र करते हुए) और चूंकि यह एक पका हुआ मामला था, गति थी। जबकि यह मामला ऐसा नहीं है और इसलिए इसमें समय लगेगा। अब जब आपने कहा है कि आपके पास कुछ चीजों को साबित करने के लिए दस्तावेज हैं, तो कृपया इसे सार्वजनिक करें। इस बीच त्रिशूर में नाराज राज्य स्तरीय भाजपा नेता ए.एन. राधाकृष्णन ने कहा कि पुलिस अब इस मामले में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन के बेटे को पूछताछ के लिए बुलाने की कोशिश कर रही है और यह प्रतिशोध के अलावा और कुछ नहीं है।

सरकार ने कोरोना के आंकड़ों को दुष्प्रचार का माध्यम बनाया : प्रियंका गांधी वाद्रा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को सरकार पर कोरोना वायरस संक्रमण से जुड़े आंकड़े छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इन आंकड़ों को लोगों की जान बचाने की बजाय सरकार एवं नेताओं की छवि बचाने के लिए दुष्प्रचार के माध्यम के तौर पर इस्तेमाल किया गया। उन्होंने सरकार से प्रश्न करने की अपनी श्रृंखला 'जिम्मेदार कौन' के तहत की गई फेसबुक पोस्ट में उत्तर प्रदेश के कई जिलों के श्मशानों और कब्रस्तानों में अंतिम संस्कार से संबंधित संख्या का हवाला देते हुए यह दावा किया कि देश की सबसे अधिक जनसंख्या वाले प्रदेश में आंकड़ों को छिपाया गया है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, ''कोरोना महामारी में

लोगों ने सरकार से आंकड़ों की पारदर्शिता की आवश्यकता स्पष्ट की थी। ऐसा इसलिए जरूरी है कि आंकड़ों से ही पता लगता है कि बीमारी का फैलाव क्या है, संक्रमण ज्यादा कहां है, किन जगहों को सील करना चाहिए या फिर कहाँ टेस्टिंग बढ़ानी चाहिए। इस पर अमल नहीं हुआ। जिम्मेदार कौन?'' उन्होंने दावा किया, ''आज भी टीकाकरण के आंकड़ों की कुल संख्या दी जा रही है आबादी का अनुपात नहीं। और उसमें पहली व दूसरी डोज़ को एक में ही जोड़ कर बताया जा रहा है। ये आंकड़ों की बाज़ीगरी है।'' प्रियंका गांधी ने कहा, ''कोरोना वायरस से जुड़े तमाम आंकड़ों को केवल सरकारी चैम्बरों में कैद रखा गया एवं वैज्ञानिकों द्वारा पत्र लिखकर इन आकड़ों को सार्वजनिक करने की मांग के बावजूद भी ये नहीं किया गया।''

किसानों की रिहाई को लेकर हरियाणा के थाने के बाहर राकेश टिकैत ने की धरने की अगुवाई

टोहाना, (हरियाणा)। (एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के नेता राकेश टिकैत के नेतृत्व में बड़ी संख्या में किसानों ने दो किसानों की रिहाई की मांग को लेकर रविवार को हरियाणा में फतेहाबाद के सदर थाने के बाहर धरना जारी रखा। इस दौरान, प्रदर्शनकारियों ने गिरफ्तार किसानों पर से आपराधिक मामला वापस लिए जाने की मांग की। किसानों ने बुधवार रात यहां जननायक जनता पार्टी (जजपा) के विधायक देवेंद्र सिंह बबली के आवास का घेराव करने की कोशिश की, जिसके बाद किसानों के एक समूह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

पुलिस ने घटना के सिलसिले में विकास सिसार और रवि आजाद को गिरफ्तार किया है। इन दोनों पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं और आपदा प्रबंधन अधिनियम,2005 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों के वकील ने कहा कि सिसार और आजाद ने स्थानीय अदालत में जमानत अर्जी दायर की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई होगी। रविवार को थाने के बाहर लोगों को संबोधित करते हुए टिकैत ने कहा कि जब तक साथी किसानों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक प्रदर्शनकारी किसान यहां से नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारी किसानों ने पहले भी बबली के खिलाफ गाली-गलौज करने के आरोप में मामला दर्ज करने की मांग की थी। बबली ने बाद में किसानों के खिलाफ अनुचित शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए खेद व्यक्त किया था। टिकैत कुछ अन्य किसान नेताओं के साथ शनिवार रात यहां अनाज मंडी में एकत्र हुए थे और फिर थाने की ओर मार्च किया था।

शनिवार को सदर थाने के बाहर मीडिया से बात करते हुए संयुक्त किसान मोर्चा के वरिष्ठ नेता योगेंद्र यादव ने कहा कि दो किसानों की रिहाई का मुद्दा अभी तक हल नहीं हुआ है। संयुक्त किसान मोर्चा किसान आंदोलन की अगुवाई कर रहा है। उन्होंने कहा था, ''हमारे और पुलिस प्रशासन के बीच बातचीत में गतिरोध बना हुआ है।'' यादव ने कहा कि बबली ने विकास और रवि आजाद के खिलाफ कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई थी, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लेकिन सरकार उनके खिलाफ मामला वापस लेने को तैयार नहीं है। रविवार को टिकैत की मौजूदगी में महिलाओं के एक समूह ने किसानों की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए गीत गाए। उन्होंने किसानों के मुद्दे पर केंद्र और हरियाणा सरकार पर कटाक्ष किया और उपमुख्यमंत्री और जजपा नेता दुष्यंत चौटाला को किसानों के साथ नहीं खड़े होने के लिए आड़े हाथों लिया। टिकैत ने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक कि सरकार कृषि

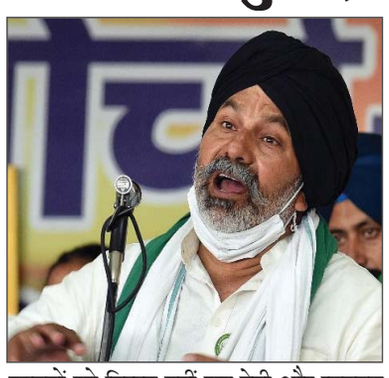

कानूनों को निरस्त नहीं कर देती और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून नहीं बना देती। एक जून को, बबली को किसानों के एक समूह के विरोध का सामना करना पड़ा था, जिन्होंने उन्हें काले झंडे दिखाए थे और नारे लगाए। बबली ने आरोप लगाया था कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने गलत व्यवहार किया और उनकी कार के शीशे तोड़ दिए। हालांकि, किसानों ने बबली पर सार्वजनिक रूप से अभद्र और धमकी भरी का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। प्रदर्शनकारी किसानों ने बुधवार को कहा था कि अगर विधायक बबली ने छह जून तक माफी नहीं मांगी तो वे सात जून को राज्य भर के सभी थानों का घेराव करेंगे। राज्य में कई किसान समूह भाजपा-जजपा नेताओं के सार्वजनिक कार्यक्रमों का विरोध करते रहे हैं

फ्री वैक्सीन और मुफ्त अनाज के ऐलान पर योगी और शिवराज ने जताया पीएम मोदी का आभार

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को संबोधित करते हुए 21 जून से सभी को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध कराने का ऐलान किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से गरीब कल्याण योजना को दिवाली तक आगे बढ़ाने का भी ऐलान किया गया। इसको लेकर भाजपा के दो मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री के संवेदनशील नेतृत्व का ही सुफल है कि अब देश के किसी भी राज्य सरकार को कोविड वैक्सीन प्राप्ति हेतु कुछ भी खर्च नहीं करना पड़ेगा। सभी देशवासियों के लिए भारत सरकार निःशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाएगी। इस जनहितकारी निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में आज केंद्र सरकार द्वारा 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना' को दीपावली तक आगे बढ़ाने का निर्णय 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' मंत्र को चरितार्थ करता है। उत्तर प्रदेश के समस्त लाभार्थियों की ओर से प्रधानमंत्री का हार्दिक आभार।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह

चौहान ने अपने ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हृदय से आभार प्रकट करता हूँ, देश में सम्पूर्ण वैक्सीनेशन का कार्य अब केंद्र सरकार करेगी। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वैक्सीनेशन का यह अभियान अब सफलतापूर्वक और सुचारू रूप से चल सकेगा। राज्यों में प्रतिस्पर्धा थी, कोई वैक्सीन निर्माता पर दबाव बनाता था, कोई ग्लोबल टेंडर कर रहा था लेकिन हाथ कुछ नहीं लग रहा था।बिखरते हुए अभियान को देखते हुए मैंने व अन्य मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि उनके नेतृत्व में ही यह अभियान सम्पन्न हो। शिवराज ने कहा कि इस देश में इन विषम परिस्थितियों में भी कोई भी गरीब नागरिक भूखे पेट नहीं सोयेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संवेदनशीलता का परिचय देते हुए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को दीपावली तक आगे बढ़ाया है। यह निर्णय अभिनंदनीय है।

दिल्ली एम्स में कोवैक्सीन के परीक्षण के लिए बच्चों की स्क्रीनिंग शुरू

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए स्वदेश निर्मित कोवैक्सीन के टीके के बच्चों में परीक्षण के लिए, यहां के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में सोमवार से दो वर्ष के बच्चे से 18 साल तक के किशोर की जांच शुरू हो गई। पटना स्थित एम्स में बच्चों में यह पता लगाने के लिए परीक्षण शुरू हो गया है कि क्या भारत बायोटेक के टीके बच्चों के लिए ठीक हैं ? जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चों को टीके लगाए जाएंगे।यह परीक्षण 525 स्वस्थ बच्चों पर किया जाएगा जिसके तहत बच्चों को टीके की दो खुराकें दी जाएगीं। इनमें से पहली खुराक के 28वें दिन दूसरी खुराक दी जाएगी। एम्स के 'सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन' के प्रोफेसर डॉ संजय राय ने कहा,'' कोवैक्सीन के परीक्षण के लिए बच्चों की जांच शुरू कर दी गई है। और जांच रिपोर्ट आने के बाद ही बच्चों को टीके की खुराक दी जाएगी।' भारत के दवा नियामक ने कोवैक्सीन का दो साल के बच्चे से ले कर 18 साल की उम्र के किशोरों पर परीक्षण करने की मंजूरी 12 मई को दे दी थी। देश में टीकाकरण अभियान में वयस्कों को कोवैक्सीन के टीके लगाए जा रहे हैं। सरकार ने पिछले सप्ताह आगाह किया कि कोरोना वायरस संक्रमण का अभी तक भले ही बच्चों में गंभीर प्रभाव नहीं हुआ है, किंतु वायरस के व्यवहार में परिवर्तन होने पर उनमें इसका प्रभाव बढ़ सकता है।

मुलायम सिंह यादव ने लगवाया कोरोना वैक्सीन, भाजपा का अखिलेश पर निशाना

लखनऊ (एजेंसी)।

समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने सोमवार को एक निजी अस्पताल में कोरोना वैक्सीन लगवाया। पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, आज पार्टी के संस्थापक और पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव ने कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के लिए टीका लगवाया। इसके बाद समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव भाजपा के निशाने पर आ गए। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुलायम सिंह यादव के वैक्सीन लगवाते वाली तस्वीर को ट्वीट कर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसा है।

केशव प्रसाद मौर्य ने स्वदेशी वैक्सीन लगवाने के लिए मुलायम सिंह यादव को धन्यवाद दिया। अपने ट्वीट में केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा कि सपा संरक्षक व पूर्व मुख्यमंत्री श्री मुलायम सिंह यादव जी स्वदेशी वैक्सीन लगवाने के लिए आपका धन्यवाद। आपके द्वारा वैक्सीन लगवाना इस बात का प्रमाण है

कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश जी द्वारा वैक्सीन को लेकर अफवाह फैलाई गयी थी। इसके लिएअखिलेश जी को माफ़ी मांगनी चाहिए।

उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने भी अखिलेश यादव पर तंज कसा है। मुलायम सिंह यादव की वैक्सीन लगवाने वाली तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि यह अच्छा संदेश है। स्वतंत्र देव सिंह ने उम्मीद जताई कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यकर्ता भी अपने संरक्षण के इस कदम से प्रेरणा लेंगे। यूपी भाजपा ने ट्वीट किया कि अगर अखिलेश यादव की मानें तो आज समाजवादी पार्टी के संस्थापक श्री मुलायम सिंह यादव जी ने 'भाजपा' की वैक्सीन लगवा ली। अब वो भाजपा का प्रचार कर रहे हैं या अपने पुत्र द्वारा फैलाए गए भ्रम को तोड़ रहे हैं... ये आप तय कर लीजिए! हां, वैक्सीन जरूर लगवाइए!

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वैक्सीन का विरोध किया था। अखिलेश ने इसे भाजपा का वैक्सीन बताया था और कहा था कि वह नहीं लगवाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा था कि मैं बीजेपी की वैक्सीन पर कैसे भरोसा कर सकता हूं। जब हमारी सरकार बनेगी तो सभी को फ्री में वैक्सीन लगेगा। हम बीजेपी की वैक्सीन नहीं लगवा सकते। अखिलेश के इस बयान पर खूब हंगामा हुआ था। हालांकि कोरोना वायरस की दूसरी लहर के दौरान अखिलेश के सुर बदले। वह वैक्सीन लगवाने की वकालत करने लगे।

मिथाइल एल्कोहल के दुरूपयोग को लेकर कड़े प्राविधान लागू, संलिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। (एजेंसी)।

मिथाइल अल्कोहल विष अधिनियम के तहत जहर घोषित है, जिसके दृष्टिगत मिथाइल अल्कोहल के कब्जे और बिक्री के लिए लाइसेंस और परमिट जारी करने का प्रावधान किया गया है और इसके लिए जिलाधिकारी को लाइसेंस प्राधिकारी के रूप में अधिकृत किया गया है। नियमों के तहत मजिस्ट्रेट के अलावा, पुलिस अधिकारी, राजस्व अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी और आबकारी तथा उद्योग के अधिकारी जो निरीक्षक के पद से नीचे नहीं हैं, को इन लाइसेंसों के निरीक्षण करने का अधिकार दिया गया है। प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तर पर जिला मजिस्ट्रेट/लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय नोडल समिति का गठन किया जायेगा जिसमें अपर पुलिस अधीक्षक सदस्य के रूप में तथा जिला आबकारी अधिकारी सदस्य/संयोजक के रूप में होंगे। इस सम्बंध में विस्तृत जानकारी देते हुए अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर. भूसरेड्डी ने बताया है कि मिथाइल अल्कोहल के प्रयोग पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश जारी किए गए हैं। यदि मिथाइल अल्कोहल के उत्पादन के लिए लाइसेंस प्राप्त इकाइयों के अलावा कोई अन्य इकाई इस कारोबार में संलिप्त पाया जाता है तो ऐसी इकाई के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मिथाइल अल्कोहल के उत्पादन, भंडारण और बिक्री की गहन निगरानी की जाएगी और मिथाइल अल्कोहल के टैंक और कंटेनरों पर स्पष्ट रूप से मिथाइल अल्कोहल अंकित किया जाएगा। मिथाइल अल्कोहल का परिवहन करने वाले टैंकरों पर मोटे तथा सफेद अक्षरों में विषैला पदार्थ परिवहन किये जाने सम्बन्धी सूचना और कानूनी चेतावनी तथा दोनों तरफ उसके विष होने सम्बन्धी चिन्ह अंकित किया जाना अनिवार्य किया गया है। टैंकर से मिथाइल अल्कोहल की चोरी न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए टैंकरों को ठीक से सील किया जाएगा और इसकी पुष्टि के बाद ही टैंकर भेजा जाएगा। अपर मुख्य सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि मिथाइल अल्कोहल के अवैध व्यापार में संलिप्त पाये जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। मिथाइल अल्कोहल से बनी अवैध शराब के सेवन से मौत होने पर और बड़ी मात्रा में अवैध शराब बरामद होने की स्थिति में स्थानीय आबकारी व पुलिस अधिकारियों व कर्मियों की जवाबदेही तय की जाएगी। अवैध शराब की गतिविधियों में शामिल पाए जाने वालों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट और एनएसए लगाया जाएगा और उनकी संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई की जाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)